

एलन मस्क या मुकेश अंबानी... आखिर कौन कर रहा मनमानी?

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शुमार एलन मस्क को शायद यह उम्मीद नहीं थी कि भारत में कारोबार करने के लिए उन्हें भी सरकारी नियमों और सुरक्षा संबंधी शर्तों के आगे जवाबदेह होना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी पारी में उन्होंने जमकर पैसा और राजनीतिक ताकत लगाई। लेकिन, सत्ता के गलियारों में बनी नजदीकियां हमेशा स्थायी नहीं होतीं। अब भारत में उनकी कंपनी स्टारलिनक की कारोबारी महत्वाकांक्षाओं को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हुआ है, जिसमें उन्होंने सीधे मुकेश अंबानी को निशाने पर ले लिया। सवाल है कि क्या भारत का बाजार जीतने के लिए तकनीक पर्याप्त नहीं, राजनीतिक प्रभाव भी जरूरी है?

मस्क ने पहले भारतीय दूरसंचार बाजार में कथित एकाधिकार कायम रखने की कोशिश करने वाले ताकतवर कारोबारियों पर निशाना साधा और फिर मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में उन्हें 'प्रधानमंत्री अंबानी' तक कह दिया। यह महज कारोबारी नाराजगी है या भारतीय बाजार में अपनी शर्तों पर प्रवेश नहीं मिल पाने की खिझ? इसका फैसला तथ्यों से होना चाहिए, किसी अरबपति के ट्वीट की तीव्रता से नहीं। स्टारलिनक की तकनीक भारत के उन दूरदराज, पहाड़ी और सीमावर्ती इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने की



निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के दावे की ठोस पुष्टि जरूरी

असली सवाल मुकेश अंबानी की भूमिका का है। क्या जियो को कोई ऐसी विशेष रियायत मिली है, जो स्टारलिनक को नहीं मिली? क्या दोनों कंपनियों पर लागू शर्तें अलग हैं? अभी सार्वजनिक तथ्यों से यह साबित नहीं होता कि अंबानी ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके स्टारलिनक को रूकवाया है। मस्क का आरोप अपने आप में प्रमाण नहीं है। लेकिन इसे खारिज करने के लिए सरकार को भी निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के अपने दावे को ठोस तथ्यों से पुष्ट करना होगा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मस्क के भारत आने का स्वागत करते हुए तंज कसा कि यहां दूसरे व्यक्ति से मिलने के बाद उन्हें और अनुभव होगा। राजनीतिक कटाक्ष अपनी जगह है, लेकिन इस विवाद में विपक्ष की जिम्मेदारी भी केवल सरकार को घेरना नहीं, बल्कि यह पूछना है कि भारतीय उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा और अधिक विकल्प कब मिलेंगे।

क्षमता रखती है, जहां पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क स्थापित करना मुश्किल है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और कारोबार के लिए सैटेलाइट इंटरनेट उपयोगी साबित हो सकता है। लेकिन तकनीक की उपयोगिता का अर्थ यह नहीं कि किसी कंपनी को राष्ट्रीय सुरक्षा की शर्तों से छूट दे दी जाए।

संचार मंत्रालय के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए सात कंपनियों ने आवेदन किया। इनमें स्टारलिनक, रिलायंस जियो सैटर्कॉम और वनवेब को लाइसेंस मिला। अमेजन की कुड़पर परियोजना का आवेदन विचाराधीन रहा, जबकि कुछ अन्य आवेदन अस्वीकृत हुए या वापस ले लिए गए। यानी सरकार ने इस बाजार के दरवाजे केवल एलन मस्क के लिए नहीं खोले। लेकिन, लाइसेंस मिलना और व्यावसायिक सेवाएं शुरू करने की सभी मंजूरियां मिल जाना दो अलग-अलग बातें हैं। स्टारलिनक, जियो और वनवेब को सुरक्षा संबंधी शर्तें पूरी करने के साथ स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी करनी है। स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल से जुड़ी शुल्क व्यवस्था को अंतिम रूप देना भी आवश्यक है। लिहाजा, पूरी देरी का ठीकरा केवल संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सिर फोड़ना तथ्यों को अधूरा देखना होगा।

सिंधिया ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं के अनुपालन का अंतिम आकलन गृह मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। भारतीय

असली परीक्षा केवल मस्क की नहीं, भारत सरकार की भी है

राज्यसभा सदस्य कमल हासन ने भी स्पष्ट किया कि कोई भारतीय हो या विदेशी अरबपति, भारत की नीतियां तय नहीं कर सकता। उनकी बात में दम है। मुक्त बाजार का अर्थ सरकार की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा है। यदि स्टारलिनक से सुरक्षा शर्तें पूरी करने की अपेक्षा है, तो जियो और वनवेब को भी समान परिस्थितियों में उन्हीं मानकों पर परखा जाना चाहिए। भारत का बाजार न एलन मस्क की निजी जागीर है, न मुकेश अंबानी की। लेकिन सरकार की नियामकीय ताकत भी किसी कारोबारी को अनुचित लाभ पहुंचाने का औजार नहीं बननी चाहिए। दूरदराज के बच्चों को इंटरनेट चाहिए, कारोबारियों को बेहतर कनेक्टिविटी चाहिए और देश को आधुनिक तकनीक चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। फिर टकराव किस बात का है, नियमों का पालन करने में या नियम अपनी शर्तों पर बनवाने में? आखिरकार, असली परीक्षा केवल एलन मस्क की नहीं, भारत सरकार की भी है। मस्क को यह समझना होगा कि भारत किसी अरबपति की मर्जी से नहीं चलता। और सरकार को साबित करना होगा कि यहां नियम किसी अरबपति की सुविधा देखकर नहीं बदलते।

होगा। सरकार को गोपनीय सुरक्षा सूचनाएं सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं, लेकिन प्रक्रिया की स्थिति और लंबित नियामकीय चरणों के बारे में पारदर्शिता जरूर दिखानी चाहिए।

न्यूज विंडो

किश्तवाड़ हमले में थी पाकिस्तान की साजिश, तीन आतंकी नामजद जम्मू। किश्तवाड़ के छात्र क्षेत्र में हुए आतंकी हमले की जांच में एनआइए ने आतंकियों के मददगार मनीर अहमद और सुरक्षाबलों की मुठभेड़ में मारे गए तीन पाकिस्तानी आतंकियों को आरोपित बनाया है। इस वर्ष 22 फरवरी को यह हमला हुआ था और करीब पांच माह की जांच के बाद आतंकी साजिश के तार पाकिस्तान तक जुड़े मिले। जांच एजेंसी ने जम्मू की विशेष अदालत में 535 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया है।

7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप हिली पनामा की धरती, हड़कंप



हैरेंरा। पनामा की धरती भूकंप के शक्तिशाली झटकों से हिल उठी। दक्षिणी पनामा में 7.7 और 6.6 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए। इसके बाद कई आफ्टरशॉक्स आए। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। लोग घरों से बाहर निकल पड़े। कई इमारतों को नुकसान होने की खबर है। भूकंप हैरेंरा प्रांत में पितालोसा अरिबा के दुर्गम इलाके से करीब 10 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में आया। इसकी गहराई जमीन से लगभग 10 किलोमीटर नीचे थी। भूकंप के इन झटकों से सड़कों पर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। हालांकि अभी तक किसी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

साधना गुप के चेयरमैन राकेश गुप्ता गिरफ्तार, ईडी ने पकड़ा

नई दिल्ली। साधना गुप के चेयरमैन राकेश गुप्ता को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने राकेश गुप्ता को 15 अक्टूबर तक हिरासत में भेज दिया है। हालांकि, राकेश गुप्ता को किस मामले में और कहाँ से गिरफ्तार किया गया है इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

आज का कार्टून



जंतर-मंतर पर प्रदर्शन रोकने के लिए दिल्ली में कड़ी नाकेबंदी वाहनों को रोकने सड़कों पर बिछाई कीलें, चप्पे-चप्पे पर पुलिस

दिल्ली पहुंचे दीपके, रांका और सौरभ को फ्लाइट से ही हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही हिरासत में ले लिया गया। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसएआर रोकने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर बुलाए गए पार्टी के प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे। यूट्यूबर ध्रुव राठी को उनके गुरुग्राम में घर से ही हिरासत में लिया गया। इसके अलावा 600 अन्य समर्थकों को भी राजधानी के अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। इससे पहले अलग-अलग इलाकों से सीजेपी समर्थक जंतर-मंतर पहुंचने की कोशिश की जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वाहनों को रोकने के लिए सड़कों पर कीलें लगाई गई हैं।

पार्टी के मुखिया अभिजीत दीपके सहित अन्य दो प्रमुख नेताओं आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत दिल्ली पहुंचे। फ्लाइट लैंड करते ही दिल्ली पुलिस की टीम अंदर पहुँच गई और तीनों को हिरासत में ले लिया। उन्हें अलग-अलग थानों में ले जाया गया है। इसी विमान में सवार एक यात्री का कहना है विमान से निकलने में डेरी हुई क्योंकि पुलिस अभिजीत को हिरासत में ले रही थी। विमान में धक्का मुक्की की भी बात कही है। यात्री राहुल यादव का कहना है कि जब तक यह घटनाक्रम तब तक यात्रियों को अंदर ही रखा गया। प्रदर्शन को देखते हुए शहर में 38 हजार से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। कर्नाट प्लेस से भी कई प्रदर्शनकारी पकड़े गए हैं। इन सबको बसों में बैठाया गया है। इससे पहले कल रात को जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों को भी हिरासत में लिया गया था। सभी को तब से लेकर अब तक जामिया पुलिस स्टेशन में बैठाया गया है।

यूट्यूबर ध्रुव राठी समेत कॉकरोच पार्टी के 600 समर्थक भी पकड़े गए



कॉकरोच जनता पार्टी ने अपनी कानूनी सेल के मुखिया रत्ना सिंह का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें रत्ना वीडियो कॉल पर बातचीत में कहती हैं- सुबह मेरे घर पुलिस आई थी। पुलिसवालों ने कहा कि ऊपर से आदेश आया है। वे मुझे घर पर ही रहने के लिए कह रहे हैं, लेकिन मैं कार से नहीं उतरी हूँ।

दिल्ली में होटल ली मेरिडियन और इसके आसपास के चौराहे पर भारी सुरक्षा है। एमजी रोड पर दिल्ली पुलिस वाहनों और बसों की सघन चेकिंग कर रही है। इंडियन गेट के आसपास 4 किलोमीटर के दायरे में आज रात 10 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। कर्नाट प्लेस स्थित इंदिरा चौक पर सुबह 6:30 बजे पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाया।

ट्रेन यातायात बहाली की कोशिश

सीजेपी की लीडरशिप को हिरासत में लिए जाने के बाद भारतीय रेलवे ने ट्रेनों की सेवाएं सामान्य करने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार नई दिल्ली से बिहार, पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों के लिए जाने वाली ट्रेनों को बहाल करने की तैयारी की जा रही है। दिल्ली में बाजार भी धीरे-धीरे खुलने शुरू हो गए हैं। कश्मीरी गेट मार्केट और खारी बावली में भी दुकानें खुल गई हैं।

नितिन नवीन का हमला

राहुल गांधी देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे, जनता जवाब देगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलिनक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल गांधी के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। नवीन ने कहा कि 'राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा उन्हें देख रहा है। आप इस देश के सांविधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे हैं और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका जवाब जनता देगी। जिन विदेशी ताकतों के दम पर आप राजनीति कर रहे हैं और भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, आपके ये मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। इस पर राहुल गांधी ने कहा था, 'भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी।'

शारजाह में पनामा के तेल टैंकर पर झेन हमला, 22 भारतीय को बचाया



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सर्वनांद सोनोवाल ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि पनामा के फ्लैग वाले कच्चे तेल के टैंकर पर सवार सभी 22 भारतीय नाविक पूरी तरह से सुरक्षित हैं। इस जहाज पर 9 अक्टूबर को यूएई के पास शारजाह एंकरेज में झेन से हमला किया गया था। सोनोवाल ने कहा कि स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है। भारतीय नाविकों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए जहाज की प्रबंधन कंपनी से लगातार संपर्क बनाया हुआ है।

कई राज्यों में बारिश का दौर

केरलम में आंधी से स्कूल की छत उड़ी कोटद्वार में वाहन बहे, हरिद्वार में ओले

देहरादून, एजेंसी

देश के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी है। केरलम के कन्नूर जिले में आंधी और बारिश के कारण वायथुर यूपी स्कूल की करीब 15 साल पुरानी भारी छत उखड़कर पीछे की इमारत पर जा गिरी। इसकी चपेट में आने से नीचे खड़ी तीन कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में शुक्रवार को रुक-रुककर बारिश हुई। छह जिलों में बड़े-बड़े ओले भी गिरे। पौड़ी गढ़वाल जिले के कोटद्वार में तेज बारिश के कारण सड़कों पर खड़ी स्कूटी और बाइक समेत कई गाड़ियां पानी के तेज बहाव में बह गईं। हरिद्वार में ओले गिरने से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए।

इधर, उत्तर प्रदेश के लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 12वें दिन बढ़ रहा है। 40 हजार से ज्यादा घर



आधे से ज्यादा पानी में डूब चुके हैं, जबकि 3 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। फैजुल्लागंज की सड़कों पर नावें चल रही हैं।

वहीं, गोंड के 8 गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से 7 हजार से ज्यादा लोग फंसे हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी के कटाव से 13 घर और 4 मंदिर नदी में समा गए हैं।



बीएचईएल क्षेत्र पर चढ़ा नवरात्रि का रंग, निखरने लगे दुर्गा पंडाल

न्यूज विंडो

सांसद ने किया भूमिपूजन, छोला में 15 लाख से बनेगी सीसी रोड

भोपाल। शहर के वार्ड 18 स्थित छोला रोड कबाड़घाटा में 15 लाख रुपए से सीमेंट कॉन्क्रीट की सड़क बनेगी। इसके साथ ही नाला भी बनेगा। इसके लिए सांसद आलोक शर्मा ने भूमिपूजन किया। इस दौरान महापौर मालती राय, एमआईसी सदस्य मनोज राठौर, पार्षद राजू कुशवाह, शैलेश साहू, मंडल अध्यक्ष अजय राहुल, भाजपा नेता गण विष्णु राठौर, पंकज चौकसे, लब्बू सरदार, जगमोहन राजपूत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

हैंडलूम एक्सपो में बुनकरों को बताई निर्यात की संभावनाएं



भोपाल। गौहर महल में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026 में शुक्रवार को बुनकरों और कारीगरों के लिए निर्यात कार्यशाला हुई। निर्यात सलाहकार आशीष चौधरी ने निर्यात प्रक्रिया, बाजार की मांग, उत्पाद गुणवत्ता और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसरों की जानकारी दी। प्रतिभागियों ने अपनी जिज्ञासाएं भी साझा कीं। मेला प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि एक्सपो उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन, कोशल विकास और व्यावसायिक क्षमताएं बढ़ाने का मंच है। एक्सपो 11 अक्टूबर तक चलेगा।

ग्लेम-2026 में 55 प्रतिभागियों ने रैंप पर बिखरे फैशन के रंग



भोपाल। होटल हयात में 'मिस/मिस टीन एंड मिस्टर मध्यप्रदेश ग्लेम-2026', 'मिस भोपाल ग्लेम-2026' और 'लिटिल स्टार मिस इंडिया' का ग्रैंड फिनाले आयोजित हुआ। 55 प्रतिभागियों ने इंडियन बाइडल, वेस्टर्न, परफॉर्मेंस और रेड कार्पेट के साथ प्रशोत्तर राउंड में हुनर दिखाया। नृत्य प्रस्तुतियों ने आयोजन में रंग भरे। मुख्य अतिथि हरिओम जटिया ने विजेताओं को क्राउन पहनाए। मप्र ग्लेम में कशिश किसनानी और अनुष्का त्रिपाठी, मिस भोपाल में तुलसी देशमुख और लिटिल स्टार मिस इंडिया में व्याख्या खरे विजेता रहीं। शो डायरेक्टर जहीर खान व 6 निर्णायकों की मौजूदगी में आयोजन ने युवाओं को प्रतिभा दिखाने का मंच दिया।

डॉ. विनीत कुमार तिवारी भारत गौरव राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। गांधी इंटरनेशनल एवं आनंद योग के संस्थापक तथा भारतीय योग संसद के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विनीत कुमार तिवारी को भारत गौरव राष्ट्रीय पुरस्कार व महात्मा गांधी नोबेल शांति अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में वैश्व शांति परिषद एवं अंतराष्ट्रीय मानव अधिकार एंबेसडर संगठन के समारोह में विश्व शांति के अग्रदूत लोकेश मुनि महाराज एवं रेंजिडेंट कमिश्नर डॉ. शोभा शंकर राव गवई ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

सिद्धार्थ लेक सिटी से निकली शोभायात्रा, समाजजनों ने मांगी क्षमा

भोपाल। श्री 108 विद्यासागर महाराज की आशीर्वाद, आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के आशीर्वाद से सकल दिगंबर जैन समाज, सिद्धार्थ लेक सिटी द्वारा श्री 1008 मुनिसुवतनाथ भगवान का भव्य विमानोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक हुआ। भव्य शोभायात्रा निकाली गई। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि समाजजनों ने एक-दूसरे से क्षमा मांगकर क्षमावाणी पर्व मनाया। अध्यक्ष पंकज जैन, राजेंद्र सेठी, आदित्य जैन व अनिल जैन मौजूद थे।

मास्टर प्लान पर 810 दावे-आपत्तियां, पुराने शहर को हेरिटेज बनाने की मांग

भोपाल को मुंबई मत बनाओ झीलों की नगरी ही रहने दो...

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट को लेकर आम लोगों के दावे-आपत्तियों का सिलसिला जारी है। 13 दिन में अब तक 810 लोगों ने आपत्तियां पेश की हैं। इसमें बदलाव को लेकर मांग भी रखी गई हैं। पुराने शहर से आ रही आपत्तियों में अधिकतर लोगों का कहना है कि भोपाल को भोपाल ही रहने दो मुंबई न बनाओ। पुराने शहर को हेरिटेज शहर की पहचान दिलाने की मांग भी रखी गई है। आम लोग 25 अक्टूबर तक आप तेंयां पेश कर सकते हैं। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) कार्यालय में 70 दावे-आपत्तियां आए। वहीं भोपाल संभागयुक्त कार्यालय में 6 दावे-आपत्तियां लेकर लोग पहुंचे। अब दावे-आपत्तियों के लिए 17 दिनों का वक्त बचा है। सभी आपत्तियों में लोगों ने खेती की जमीन पर सड़कों के निर्माण का प्रावधान हटाने, वन क्षेत्र में सड़कों का मूल स्वरूप बदलकर चौड़ाई कम और अधिक करने के प्रावधान का विरोध किया है।

बावड़िया कलां और बाग मुगालिया समेत कई इलाकों के रहवाशियों ने पश्चिमी बायपास से सड़कों के जुड़ाव को लेकर भी अपने सुझाव व आपत्तियां दर्ज कराईं। टैक्स लॉ बार एसोसिएशन के सचिव धीरज अग्रवाल का कहना है कि पुराने शहर को हेरिटेज दर्जा देते हुए शहर के फुटपाथों को सुगम बनाने की जरूरत है। इसके लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करने की मांग की है।



आवासीय में कमर्शियल एक्टिविटी पर सीलिंग की कार्रवाई की मांग भी उठी

बड़ी झील, कलियासोत, केरवा डैम सहित अन्य वॉटर बॉडीज के कैचमेंट एरिया में निर्माण कार्य रोकने व भविष्य में निर्माण नहीं होने की मांग भी की गई है। एक आपत्ति में अरेरा कॉलोनी में कॉमर्शियल गतिविधियों का विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि कमर्शियल गतिविधियों

व्यापारियों ने कहा भोपाल की पहचान कायम रखने की जरूरत, बदलाव न करें

दस नंबर मार्केट व्यापारी संघ के महासचिव हरीश चौथानी ने अपना दावा पेश करते हुए मांग रखी कि शहर की पहचान कायम रहनी चाहिए। भोपाल को भोपाल ही रहने दिया जाना चाहिए। इसे बदलने की जरूरत नहीं है। सरकार सिर्फ शहर को व्यवस्थित करे। भोपाल की पहचान पूरी दुनिया में अलग है। यह झीलों और परंपराओं का शहर है।

पूर्व मंत्री शर्मा ने भी टीएंडसीपी संचालक को सौंपा ज्ञापन

पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संचालक को ज्ञापन सौंपा है। मास्टर प्लान के ड्राफ्ट 2047 पर दावा-आपत्ति के संबंध में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल के साथ टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के संचालक से मुलाकात की। इस दौरान मास्टर प्लान से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान आकर्षित करते हुए जनहित में आवश्यक संशोधन एवं उचित कार्रवाई की मांग रखी। शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य जनभावनाओं, स्थानीय आवश्यकताओं और जनहित को ध्यान में रखते हुए एक बेहतर एवं व्यवस्थित मास्टर प्लान सुनिश्चित करना है।

ऐसी आपत्तियां भी आईं

- बैरागढ़कलां सहित आसपास के गांवों में बसाहत वाली जमीन को प्रतिबंधित जोन में रखने का विरोध।
- लहारपुर में 30 साल से खेती हो रही 643 एकड़ जमीन को डूब क्षेत्र से बाहर करने की मांग।
- प्रस्तावित 18 मीटर चौड़ी सड़कों, सड़क अलाइनमेंट और बाघों के मूवमेंट वाले क्षेत्रों से प्रस्तावित मार्ग हटाएं।
- निशापुरा क्षेत्र की निजी भूमि से जुड़ी भोपाल मेट्रो ऑरेंज लाइन के लिए धारा 23 का अवाई।
- पश्चिम भोपाल बायपास के लिए शुआखेड़ा, रतनपुर सड़क और आंवला में धारा 21 की प्रक्रिया से भूखंड स्तर पर विकास अधिकार की गारंटी।

भोपाल में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर जताई चिंता

दिवशा के पिता ने सुप्रीम कोर्ट से की ट्रायल दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दिवंगत अभिनेत्री दिवशा शर्मा के पिता नवनीध शर्मा ने बेटी की मौत के मामले की सुनवाई भोपाल से दिल्ली स्थानांतरित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका पर 16 अक्टूबर को सुनवाई प्रस्तावित है। याचिकाकर्ता ने भोपाल में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंकाएं जताते हुए ट्रायल स्थानांतरित होने तक यहां चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग भी की है।

दिवशा 12 मई को अपनी ससुराल में मृत मिली थीं। शदी के करीब पांच महीने बाद हुई इस घटना की जांच बाद में सीबीआई को सौंप दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 25 मई को मामले का स्वतः

कीटनाशकों के प्रयोग, खाद्य सुरक्षा जांचेगा आईएआरआई

बड़ी झील में सिंघाड़े की खेती पर एनजीटी सख्त, हर तीन माह में होगी फसल की जांच



भोपाल। दोपहर मेट्रो

बड़ी झील में सिंघाड़े की खेती और फसल पर कीटनाशकों के छिड़काव से पेयजल की गुणवत्ता पर पड़ने वाले असर को लेकर (एनजीटी) नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सख्ती दिखाई है। एनजीटी ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) की 3 माह के भीतर सिंघाड़े की फसल की जांच कर उसमें कीटनाशकों और हानिकारक रासायनिकों की मौजूदगी का पता लगाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़ी झील के पानी में कीटनाशकों की नियमित जांच करने को कहा है। नगर निगम और कृषि विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि तालाब में सिंघाड़े की खेती तय अनुमतियों के मुताबिक हो।

एनजीटी के सामने पेश संयुक्त समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अक्टूबर को बैरागढ़ के भोरवन पार्क के पास बड़े तालाब का निरीक्षण किया गया था। यहां कमल और सिंघाड़े की खेती होती मिली। निरीक्षण के दौरान टीम ने पानी के

सिंघाड़े की खेती के लिए मत्स्य विभाग ने नहीं दी अनुमति

मत्स्य विभाग ने एनजीटी को बताया कि नगर निगम ने मत्स्य सहकारी समिति को बड़ी झील में मछली पालन-मछली पकड़ने के लिए 10 साल का पट्टा दिया है। सिंघाड़े की खेती के लिए मत्स्य विभाग ने अनुशंसा नहीं की है। एनजीटी ने आदेश में राज्य पर्यावरण विभाग के 16 मार्च 2022 के आदेश का उल्लंघन किया। इसके तहत भोज वेटलैंड के प्रभाव क्षेत्र में पारंपरिक तरीके से जैविक संसाधनों की कटाई को नियंत्रित श्रेणी में रखा है।

नमूने लिए थे। जांचे गए नमूने में कीटनाशकों के अवशेष नहीं मिले। हालांकि, एनजीटी के समक्ष रखी रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि किसी एक स्थान से लिए गए नमूने में कीटनाशक नहीं मिलने से पूरी झील में उनके इस्तेमाल या अनुपस्थिति के बारे में निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इसी वजह से नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।

जुली गोलेचा बनी अभा श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद की प्रदेश अध्यक्ष



भोपाल। इंदौर में आयोजित अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक एवं महिला परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन में नई कार्यकारिणी घोषित की गई। आचार्य श्रीमद विजय नियसेन सुरीश्वर के मार्गदर्शन में हुई घोषणाओं के तहत उज्जैन की जुली वीरेन्द्र गोलेचा को महिला परिषद मप्र की प्रदेश अध्यक्ष और विजया मोदी को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है। उज्जैन के संजय कोठारी नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री मनोनीत हुए। राष्ट्रीय स्तर पर सुरेश तलावत (राजमहेंदरी) नवयुवक और प्रेमा गांधी मुथा (बेंगलुरु) महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं।

मेट्रो एंकर

सवालियों में करोड़ों के शौचालय, 115 स्कूलों ने नहीं दिया हिसाब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों में शौचालय निर्माण के लिए जारी करोड़ों रुपए की राशि के इस्तेमाल और निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। भोपाल जिले के 115 स्कूल तय समयसीमा तक उपयोगिता प्रमाणपत्र (यूसी) और पूर्णता प्रमाण पत्र (सीसी) जमा नहीं कर पाए हैं। मामले में जिला शिक्षा केंद्र ने निगरानी के लिए तैनात चार इंजीनियरों को नोटिस जारी किए हैं। उनके जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर वरिष्ठ कार्यालय को कार्रवाई का प्रस्ताव भेजने की तैयारी है। पिछले साल जिले के 124 मिडिल और प्राइमरी स्कूलों में शौचालय निर्माण के लिए जिला शिक्षा केंद्र ने राशि जारी की थी। हर स्कूल को 2.84 लाख रुपए दिए गए थे। जगह की कमी के कारण नौ स्कूलों में निर्माण शुरू नहीं हो सका, जबकि शेष



स्कूलों में काम कराया गया। योजना के तहत बालक-बालिकाओं के लिए निर्धारित डिजाइन और गुणवत्ता के अनुसार आधुनिक शौचालय बनाने थे। हालांकि, निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। आरोप है कि कई जगह निर्धारित मापदंडों के अनुरूप काम नहीं हुआ और निर्माण की स्थिति टिकाऊ गुणवत्ता पर संदेह पैदा करती है।

समय सीमा खत्म, प्रमाण पत्रों का इंतजार

जिला शिक्षा केंद्र ने सभी संबंधित स्कूलों से निर्माण पूरा होने और राशि के उपयोग के प्रमाण पत्र मांगे थे। शुक्रवार को इन्हें जमा करने की अंतिम तिथि थी, लेकिन 115 स्कूल प्रमाण पत्र नहीं दे पाए। नियमानुसार इंजीनियरों के हस्ताक्षर के साथ पूर्णता प्रमाणपत्र कार्यालय में जमा होना था।

सोमवार को फिर होगी समीक्षा

पांच स्तर की निगरानी, फिर भी अनियमितता

स्कूलों में निर्माण कार्य की निगरानी के लिए शाला प्रबंधन समिति (एसएएमसी) बनाई है। इसमें अध्यक्ष, एक सदस्य, स्कूल का प्रधानाध्यापक बतौर सचिव और एक अन्य शिक्षक शामिल होते हैं। इनके अलावा जिला शिक्षा केंद्र का इंजीनियर भी निर्माण कार्य की निगरानी करता है। इसके बावजूद निर्माण में गड़बड़ी सामने आई है।

होगी रैंडम जांच

जिला शिक्षा केंद्र के मुताबिक, स्कूलों से यूसी और सीसी मिलने के बाद कार्यालय स्तर पर टीम गठित कर शौचालयों की रैंडम

जांच कराई जाएगी। इसमें तय डिजाइन, निर्माण के मापदंड और गुणवत्ता का परीक्षण होगा। अप्रसन्नता का कहना है कि जांच में यदि लापरवाही या अनियमितता मिली तो संबंधित स्कूल से राशि की वसूली की जाएगी। जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

इंजीनियरों से मांगें गए हैं प्रमाण पत्र

डीपीसी सिद्धार्थ कुमार जैन का कहना है कि सभी स्कूलों से पूर्णता और उपयोगिता प्रमाणपत्र मांगे गए हैं। इंजीनियरों के हस्ताक्षर से प्रमाण पत्र आने के बाद कार्यालय स्तर पर शौचालयों की रैंडम जांच कराई जाएगी।



भोपाल। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2026 में अंतर्राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स, टूर ऑपरेटर्स, हॉस्पिटैलिटी प्रतिनिधियों और डेलीगेट्स को प्रदेश की समृद्ध पर्यटन विरासत के साथ-साथ यहां के पारंपरिक खाने का स्वाद भी चखने का मौका मिला। ट्रैवल मार्ट में परोसे गए अलग-अलग व्यंजनों से मेहमानों को मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों के स्वाद का अनुभव मिला। पारंपरिक मसालों की खुशबू, देसी खाने और घर के स्वाद ने भोजन के अनुभव को खास बना दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मुलाकात के बाद पटवारियों के साथ बनी सहमति 12 अक्टूबर से फिर शुरू होगा स्वामित्व योजना का काम, न्यायिक संरक्षण के आदेश होंगे जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना को लेकर सरकार और पटवारियों के बीच चल रहा गतिरोध आखिरकार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार शाम हुई मुलाकात के बाद पटवारी संघ ने 12 अक्टूबर से योजना का काम दोबारा शुरू करने का ऐलान किया है। बैठक में पटवारियों को कानूनी संरक्षण देने, 17 सितंबर के बाद की गई कार्रवाइयों को शून्य करने और कर्मचारियों की आर्थिक मांगों पर विचार करने को लेकर सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने 27 अक्टूबर को होने वाले महासम्मेलन में आर्थिक मांगों पर घोषणा करने का आश्वासन भी दिया है। इस फैसले से स्वामित्व योजना के काम में आई रुकावट दूर होने और सरकारी अभियान को गति मिलने की उम्मीद है।

स्वामित्व योजना के काम को लेकर सरकार और पटवारी संघ के बीच लंबे समय से खींचतान चल रही थी। पटवारी संघ योजना के तहत होने वाली रजिस्ट्रियों से जुड़े मामलों में कानूनी संरक्षण की मांग कर रहा था। इस मुद्दे पर सहमति नहीं बनने के कारण योजना का काम प्रभावित हो रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई बैठक में इन समस्याओं पर चर्चा की गई। इसके बाद पटवारी संघ ने 12 अक्टूबर से योजना का काम फिर शुरू करने का निर्णय लिया। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल के मुताबिक, योजना के काम से जुड़े मामलों में न्यायिक संरक्षण के आदेश जारी किए जाएंगे। साथ ही, 17 सितंबर के बाद की गई कार्रवाइयों को शून्य करने पर भी सहमति बनी है।



रजिस्ट्रियों के विवाद में कार्रवाई का डर

पटवारी संघ की प्रमुख चिंता स्वामित्व योजना के तहत होने वाली रजिस्ट्रियों से जुड़े विवादों को लेकर थी। पटवारियों को आशंका थी कि भूमि पंजीयन की प्रक्रिया के दौरान किसी तरह का विवाद होने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। इसी वजह से संघ कानूनी संरक्षण की मांग कर रहा था। भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर, पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल और प्रांतीय पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अश्विन सेनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कानूनी संरक्षण, लॉबिंट कार्रवाइयों और आर्थिक मांगों पर चर्चा के बाद काम शुरू करने पर सहमति बनी। सरकारी पटवारियों को संरक्षण देने के प्रावधानों पर सकारात्मक रुख दिखाया है। संघ का कहना है कि इन मांगों पर सहमति बनने के बाद योजना का काम दोबारा शुरू किया जाएगा।

50 लाख भूमि पंजीयन का लक्ष्य, योजना को मिलेगी रफ्तार मध्यप्रदेश सरकार स्वामित्व योजना को प्राथमिकता दे रही है। इसके तहत करीब 50 लाख भूमि पंजीयन का लक्ष्य रखा गया है। योजना के माध्यम से भूमि संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और संबंधित हितग्राहियों को संपत्ति के अधिकारों से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है। पटवारियों के काम पर लौटने से योजना के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी सामाजिक माध्यम एक्स पर बैठक की जानकारी साझा की। इसके मुताबिक, पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने योजना का काम पूरी निष्ठा से करने की बात कही है।

बैठक में पदाधिकारी रहे मौजूद

मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर, पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल और प्रांतीय पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अश्विन सेनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कानूनी संरक्षण, लॉबिंट कार्रवाइयों और आर्थिक मांगों पर चर्चा के बाद काम शुरू करने पर सहमति बनी। अब 12 अक्टूबर से पटवारियों के काम पर लौटने के साथ सरकार के सामने स्वामित्व योजना के निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने की चुनौती होगी।

2027 को 'एडवेंचर ईयर' बनाने की पहल मप्र बनेगा पर्यटन का नया केंद्र भोपाल-इंदौर में अंतरराष्ट्रीय आयोजन कराने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट (एमटीएम) 2026 के दूसरे दिन पर्यटन की नई संभावनाओं पर व्यापक मंथन हुआ। दो महत्वपूर्ण सत्रों में देश के विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय आयोजन, गंतव्य विवाह और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने की रणनीति पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने भोपाल और इंदौर को बड़े आयोजनों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के साथ ही ऐतिहासिक नगरों की सांस्कृतिक पहचान को पर्यटन उद्योग से जोड़ने पर जोर दिया। 'माइंस एवं क्रिएटिव इकोनॉमी' विषय पर आयोजित सत्र में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त सचिव एवं इंडिया कन्वेंशन प्रमोशन ब्यूरो के अध्यक्ष हरकिशोर एस. ने कहा कि देश में बैठकों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और प्रोत्साहन यात्राओं से जुड़े पर्यटन का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। भारत का यह बाजार लगभग 37,576 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जबकि वर्ष 2028 तक प्रत्यक्ष आयोजनों का क्षेत्र 19,600 करोड़ रुपये का होने का अनुमान है।

ओरछा-महेश्वर में गंतव्य विवाह को मिलेगा बढ़ावा

फिक्री की पर्यटन समिति के अध्यक्ष एवं विजक्राफ्ट समूह के सह-संस्थापक सब्बास जोसेफ ने मध्यप्रदेश को अनुभव आधारित पर्यटन के लिए उपयुक्त बताया। उन्होंने कहा कि ओरछा, खजुराहो, महेश्वर, मांडू और ग्वालियर जैसे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक नगर गंतव्य विवाह और भव्य उत्सवों के आयोजन के लिए आकर्षक स्थल बन सकते हैं। उन्होंने विवाह आयोजकों के लिए परिचयात्मक भ्रमण कराने, प्रमाणित विवाह स्थलों और सेवा प्रदाताओं की सूची तैयार करने तथा पारंपरिक व्यंजन, लोककला, हथकरघा और शिल्पकला को जोड़कर विशेष समारोह पैकेज बनाने का सुझाव दिया। इससे स्थानीय कारोबार, हस्तशिल्प और रोजगार को भी बढ़ावा मिल सकता है।

2027 में साहसिक पर्यटन पर विशेष जोर

'एडवेंचर टूरिज्म 2030' विषय पर आयोजित सत्र में प्रदेश को साहसिक पर्यटन के अग्रणी केंद्र के रूप में विकसित करने पर चर्चा हुई। पर्यटन विभाग के सचिव एवं मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलेयाराजा टी. ने वर्ष 2027 को 'एडवेंचर ईयर' के रूप में लेकर साहसिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के विशेष प्रयासों की बात कही। पड़म्री अजीत बजाज ने सुझाव दिया कि साहसिक पर्यटन स्थलों और सुविधाओं का विकास सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से किया जाए। अलग-अलग गतिविधियों के बजाय एक ही स्थान पर कई सुविधाओं वाले समग्र साहसिक पर्यटन केंद्र विकसित किए जाएं।

प्रदेश में 'बांडेड डॉक्टरों' के लिए वीआईपी फरमान सांसद-विधायक से लेकर कलेक्टर तक सुनेंगे समस्याएं, मिलेगी सुरक्षा-आवास

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार अब सख्त और सख्तलियत दोनों रास्तों पर चल रही है। अनिवार्य ग्रामीण सेवा का बांड पूरा नहीं करने वाले डॉक्टरों पर शिर्का कसने की तैयारी है। वर्ष 2022 के बाद डिग्री पूरी करने के बाद डॉक्टरों की सूची तैयार की जा रही है। ऐसे डॉक्टरों का मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल से पंजीयन निलंबित करने की कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने वर्ष 2022 में ही अधिसूचना



जारी कर दी थी कि डिग्री पाठ्यक्रम पूरा होने के दो साल के भीतर डॉक्टर ने सेवा जॉइन नहीं की तो उसका मेडिकल पंजीयन निलंबित या रद्द किया जा सकता है। अब इसी प्रावधान के तहत पुराने बांड डिफॉल्टर डॉक्टरों का रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। सभी जिलों के सीएमएचओ से ऐसे डॉक्टरों की सूची मांगी गई है जिन्होंने बांड के तहत अपनी सेवा अवधि पूरी नहीं की है।

83 फीसदी डॉक्टरों ने किया जॉइन

इस साल बांड व्यवस्था के तहत डॉक्टरों की जॉइनिंग में बड़ा सुधार देखने को मिला है। वर्ष 2026 में 3,118 बांडेड डॉक्टरों की पोस्टिंग की गई, जिनमें से 2,601 यानी 83 प्रतिशत डॉक्टरों ने जॉइन कर लिया है। इसके उलट वर्ष 2024 में 2,670 में से सिर्फ 1,116 और वर्ष 2025 में 2,789 में से 1,103 डॉक्टरों ने ही सेवा शुरू की थी। दोनों वर्षों में जॉइनिंग का औसत सिर्फ 40 प्रतिशत रहा था।

मेट्रो एंकर मकान सूचीकरण के बाद अब जनसंख्या गणना पर फोकस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना को व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए भोपाल जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसके तहत गणना ब्लॉकों के निर्धारण, बड़े ब्लॉकों को उप-ब्लॉकों में बांटने, कर्मचारियों के कार्यभार का संतुलित वितरण और आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है। इसी सिलसिले में जिले के चार्ज अधिकारियों और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें जनगणना के प्रथम चरण के बाद की जाने वाली तैयारियों और दूसरे चरण के लिए जरूरी तकनीकी प्रक्रियाओं की



जानकारी दी गई। जिला स्तर पर प्रशिक्षण सत्र पांच-छह अक्टूबर और आठ-नौ अक्टूबर को आयोजित किए गए। इसमें संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आगामी जनसंख्या गणना के लिए गणना ब्लॉकों की समीक्षा से लेकर क्षेत्रीय सत्यापन और अभिलेखों को अद्यतन करने तक की प्रक्रिया समझाई गई। यह प्रशिक्षण जनगणना कार्यालय के प्रशिक्षकों द्वारा

दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना कार्य में किसी भी तरह की प्रशासनिक अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी तैयारियां पहले से पूरी करनी होंगी। जनसंख्या गणना के लिए इन 5 तैयारियों पर रहेगा जोर प्रशिक्षण के दौरान जनसंख्या गणना को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 5 प्रमुख बिंदुओं पर विशेष जोर दिया गया।

कल किया जाएगा राशि का अंतरण 502 करोड़ से खुलेगी गरीब बच्चों की शिक्षा की राह, 20 हजार स्कूलों को मिलेगी फीस की राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नरसिंहपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से 502 करोड़ रुपये की राशि अंतरित करेंगे। इससे प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों को लाभ मिलेगा और आठ लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों की निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री इस अवसर पर 45 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे।

20 हजार से अधिक स्कूलों के खातों में पहुंचेगी राशि- शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति के तहत जारी होने वाली राशि से निजी स्कूलों में पढ़ने वाले पात्र विद्यार्थियों की शिक्षा का खर्च पूरा करने में मदद मिलेगी। आरटीई के अंतर्गत कक्षा पहली से आठवीं तक गरीब और वंचित



अब तक 3,600 करोड़ रुपये का भुगतान

प्रदेश सरकार वर्ष 2011 से अब तक आरटीई के अंतर्गत 16 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के लिए 3,600 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इस व्यवस्था से जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। सरकार का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के अवसर बढ़ाना और स्कूलों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करना है।

वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाता है। इन विद्यार्थियों की निर्धारित फीस की प्रतिपूर्ति सरकार संबंधित स्कूलों को करती है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण किसी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होगी बड़ी रैली 25 नवंबर को ग्वालियर में जुटेंगे एक लाख कांग्रेसी

शक्ति प्रदर्शन के लिए एआईसीसी ने दो महीने का जारी किया कार्यक्रम



भोपाल, दोपहर मेट्रो

मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस अब आंदोलन को मध्यप्रदेश से दिल्ली तक बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदलने की तैयारी में है। एआईसीसी ने इसके लिए दो महीने का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। इसी कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश कांग्रेस ने प्रदेश के सभी 71 संगठनात्मक जिलों से करीब एक लाख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य तय किया है। एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले के मुताबिक, 25 नवंबर को ग्वालियर में करीब एक लाख कांग्रेसियों को जुटाया जाएगा और 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा। दिल्ली में मुख्य

निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बड़ी रैली होगी। डॉ. कामले ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ एआईसीसी ने दो महीने का कार्यक्रम बनाकर उसका परिपत्र प्रदेश कांग्रेस को भेजा है। उसी के आधार पर प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर मार्च, प्रदर्शन और जनसंपर्क कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कांग्रेस एसआईआर के समय से ही मतदाता सूची के मुद्दे को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मतदाता सूची से जुड़े काम के लिए अलग विभाग बनाकर काम किया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूचियों में नाम काटने और जोड़ने की प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है और इसी मुद्दे को लेकर पार्टी लगातार आंदोलन कर रही है।

बड़े गणना ब्लॉक होंगे छोटे

निर्धारित गणना ब्लॉकों की समीक्षा कर आवश्यकता के अनुसार बड़े ब्लॉकों को उप-ब्लॉकों में विभाजित किया जाएगा। इससे गणना कार्य को व्यवस्थित करने और फील्ड में काम करने में मदद मिलेगी। छोटे ब्लॉक बनने से एक प्रणाली पर कार्य का दबाव भी कम होगा।

क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का सत्यापन- ब्लॉकों का विभाजन करने से पहले मौके पर जाकर क्षेत्रीय स्थिति की जांच की जाएगी। इसमें जनसंख्या, सड़क, गलियां और भौगोलिक सीमाओं को ध्यान में रखा जाएगा, ताकि गणना के दौरान कोई क्षेत्र छूटे नहीं और न ही दोहराव हो।

प्रणाली और पर्यवेक्षकों की संख्या का आकलन- संबंधित जनसंख्या और कार्यभार के आधार पर कर्मचारियों की जरूरत का पहले से आकलन किया जाएगा। साथ ही, उनके बीच काम का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि किसी एक कर्मचारी पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

रिकॉर्ड और तकनीकी विवरण होंगे अपडेट- गणना ब्लॉकों के विभाजन से संबंधित विवरणों को अद्यतन करने और आवश्यक अभिलेख निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। सभी तकनीकी रिकॉर्ड को समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए हैं।

समयबद्ध तैयारी और बेहतर समन्वय- अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी तैयारियां निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप पूरी करने के निर्देश दिए गए, ताकि जनसंख्या गणना के दौरान किसी तरह की प्रशासनिक अव्यवस्था न हो और बेहतर समन्वय के साथ काम हो सके।

लोकतंत्र की पहचान चुनाव कराने से नहीं, असहमति को सहने की क्षमता से होती है। जिस व्यवस्था में विपक्ष की आवाज सत्ता के लिए खतरा बन जाए और विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए शहरों की नाकेबंदी करनी पड़े, वहां लोकतंत्र की सेहत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पाकिस्तान आज इसी विडंबना से गुजर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय छवि की चिंता है, लेकिन उस राजनीतिक अस्थिरता की जड़ों पर प्रहार करने की इच्छाशक्ति कहां है, जो देश को बार-बार संकट में धकेलती रही है? पूर्व प्रधानमंत्री

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का आंदोलन इसी संकट की ताजा तस्वीर है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए रास्ते बंद करना, इंटरनेट सेवाओं पर पाबंदी लगाना और आम जनजीवन को प्रभावित करने वाले प्रतिबंध लागू करना सरकार की बेचैनी दशातों है। लेकिन सड़कों पर अवरोध खड़े करके जनक्रोश का रास्ता हमेशा के लिए बंद नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की राजनीति का सबसे गहरा संकट यह है कि निर्वाचित सरकारों के ऊपर सेना का प्रभाव लंबे समय से एक

पाकिस्तान में लोकतंत्र कैद

समानांतर सत्ता की तरह मौजूद रहा है। प्रधानमंत्री बदलते रहे, राजनीतिक दल सत्ता में आए और बाहर हुए, लेकिन नागरिक शासन और सैन्य प्रतिष्ठान के बीच अधिकारों का संतुलन स्थापित नहीं हो पाया। यही असंतुलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है और राजनीतिक अस्थिरता को जन्म देता है। शहबाज शरीफ को समझना होगा कि विपक्ष से संवाद कमजोरी नहीं, लोकतांत्रिक परिपक्वता है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को स्थायी खतरा मानने की प्रवृत्ति लोकतंत्र को प्रतिस्पर्धा से निकालकर प्रतिशोध

की ओर ले जाती है। मतभेदों का समाधान सवैधानिक प्रक्रिया और निष्पक्ष न्याय से होना चाहिए, दमन से नहीं। इस संकट का आर्थिक पहलू भी गंभीर है। निवेश और कारोबारी भरोसे के लिए केवल सरकारी घोषणाएं पर्याप्त नहीं होतीं। मजबूत संस्थाएं, कानून का सम्मान और राजनीतिक स्थिरता भी जरूरी हैं। जिस देश में सत्ता संघर्ष लगातार सुर्खियों में रहे, वहां आर्थिक सुधारों की राह कठिन होना स्वाभाविक है। पाकिस्तान का इतिहास प्रधानमंत्रियों के उत्थान-पतन और सेना के प्रभाव की अनेक कहानियों से भरा है, लेकिन इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पर्याप्त सबक नहीं लिया।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाना स्वास्थ्य सेवाओं के लिये नुकसानदेह

डॉ. योगेन्द्र श्रीवास्तव
स्तंभकार



फिछले कुछ सालों से देश भर में नये मेडिकल कॉलेज खोलने की होड़ मची हुई है और कोई भी राज्य सरकार पीछे नहीं हट्टना चाहती इसलिए जब तब नये मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणाएं अखबारों की सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में मध्यप्रदेश सरकार ने भी 12 और मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की है। देश के अन्य राज्यों में भी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रसार की यही कहानी है और नतीजा यह कि 2014 में 387 से बढ़कर 2026 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 858 हो चुकी है। इसी अवधि में एमबीबीएस की सीटें 51 हजार से बढ़कर एक लाख 1 लाख 40 हजार तथा पीजी की सीटें 31 हजार से बढ़कर 86 हजार हो चुकी हैं। इस बीच महाराष्ट्र आईएमए के प्रदेश सहसचिव डॉ अनुपम ताकलकर का बयान गौरतलब है कि इस बढ़ोतरी पर विराम देने की जरूरत है क्योंकि इससे शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की पूरी आशंका है।

वाकई इस मामले पर पुनर्विचार एवं गहन मंथन की आवश्यकता है। जनता में लोकप्रियता हासिल करने के लिये राजनेता इस तथाकथित विकास का आश्वासन दे रहे हैं परन्तु वास्तव में यह औचित्यहीन कदम स्वास्थ्य सेवाओं पर बुरा असर डालने वाला है। दरअसल किसी अन्य शिक्षा संस्थान की तुलना में मेडिकल शिक्षा एकदम अलग है। उदाहरण के लिये एक बढ़िया तकनीकी संस्थान खोलने में जमीन, भवन, हॉस्टल, प्रयोगशाला, उपकरण तथा शिक्षकों की व्यवस्था करना ही पर्याप्त होता है। लेकिन मेडिकल कॉलेज में इन सबकी व्यवस्था के अलावा एक और अनिवार्य जरूरत होती है कि वहां बड़ी संख्या में मरीज भी आयें। तकनीकी शिक्षा तो किसी उन्नत प्रयोगशाला में ही प्राप्त की जा सकती है जबकि मेडिकल शिक्षा के लिये मरीज एक अनिवार्य फैक्टर है क्योंकि यह पढ़ाई ऐसी है जिसमें छात्रों से मरीज देखने एवं रोग का निदान तथा उपचार करने का ही कार्य करवाया जाता है। अन्य तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के बाद उक्त छात्र को तजुर्बे के लिये कहीं वास्तविक काम करके व्यावहारिक तजुर्बा लेना पड़ता है जबकि एक नया एमबीबीएस किसी मरते हुए इंसान की जान बचा सकता है।

यद्यपि मेडिकल कॉलेज खोलने के लिये निर्धारित न्यूनतम जमीन की शर्त अब हटा दी गई है लेकिन फिर भी इसके लिये काफी ज्यादा जमीन की जरूरत होती है जो आम तौर पर शहरों के बीच उपलब्ध नहीं होती। इसलिए नए मेडिकल कॉलेज शहर से दूर स्थानों पर बनाए जाते हैं। सर्वविदित है कि ऐसे बहुत से नये मेडिकल कॉलेजों में मरीजों का पहुंचना आसान नहीं है। इसके लिये कहीं कहीं मुफ्त ऑटो या मुफ्त बस सेवा की व्यवस्था की जाती है। फिर भी वांछित संख्या में मरीज नहीं पहुंच पाते। उस पर शिक्षकों का अभाव दूसरी बड़ी समस्या है। मेडिकल शिक्षा की नियामक संस्था एनएमसी के निरीक्षण दौरे के समय शिक्षकों को उपस्थित अवश्य दिखा दिया जाता है लेकिन ये सिर्फ खानापूरी के लिये आते हैं। हालत यह है कि अधिकांश मेडिकल कॉलेज इसी तरह की घोस्ट फैकल्टी (छय

शिक्षक) से चल रहे हैं। परिणामस्वरूप खूबसूरत बिल्डिंग और अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के बावजूद ऐसे कॉलेजों में एकेडमिक तथा प्रैक्टिकल शिक्षा आधी अधूरी ही हो पाती है। वही हाल पीजी शिक्षण का भी है। इस वजह से बहुत से ऐसे डॉक्टर तैयार किये जा रहे हैं जिनका क्लीनिकल ज्ञान अधूरा है और वे पर्याप्त प्रशिक्षण के बिना ही मरीजों का उपचार करने के लिये अधिकृत हैं।

ऐसा नहीं कि एनएमसी को इन सब धांधलियों की जानकारी नहीं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि गैरजरूरी मेडिकल कॉलेज खोलने के राज्य सरकारों के लोकप्रिय अभियान को चालू रखने के लिये एनएमसी भी खानापूरी में पूरा सहयोग दे रही है। वैसे भी देश में वास्तविक स्थितियों को नजरअंदाज करके कागजी कार्रवाई को प्राथमिकता देने की परम्परा है। स्वास्थ्य सम्बन्धी अन्य योजनाओं का भी यही हाल है। उचित गाइडलाइंस के अभाव में आयुष्मान योजना भी दम तोड़ रही है। सरकार अस्पतालों पर दोष मढ़ती है और अस्पताल सालों से लम्बित पड़े करोड़ों के बाकी भुगतान को लेकर

लामबंद हो रहे हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र बिल्कुल खस्ताहाल हैं जहां न दवाएं हैं और न ही डॉक्टर। जिला अस्पतालों में भी डॉक्टर और स्टॉफ के सैकड़ों पद खाली हैं जिससे वे मरीजों का दबाव झेलने में असमर्थ हैं। लेकिन कागजों पर स्वास्थ्य सेवाओं का विकास जारी है जिसमें नए नए मेडिकल कॉलेज खोलना एक शिगूफे

के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि धीरे धीरे ये वास्तविकता आम जनता को भी समझ आ रही है। अभी जारी 2026-27 के सत्र की काउंसलिंग में नीट यूजी की लगभग 6000 सीटें खाली हैं। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की करोड़ों की फीस और लगातार गिरती साख के चलते हो सकता है कि ये सीटें पूरी न भर पायें। पिछले साल पीजी की करीब 20000 सीटें खाली रह गई थीं जिसके बाद सरकार ने कट ऑफ समाप्त कर दिया था। उसके बाद हजारों ऐसे छात्र भी पीजी में प्रवेश के पात्र हो गये थे जिन्हें माइनस में मार्क्स मिले थे। ऐसी परिस्थिति में और अधिक मेडिकल कॉलेज खोलना सिर्फ जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ही कहा जा सकता है। इसलिए अंधाधुंध मेडिकल कॉलेज खोलने से बेहतर ये होगा कि सभी ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र एवं जिला अस्पताल भी विकसित और उन्नत किये जायें जिससे आसपास के ग्रामीण मरीजों को सही उपचार के लिये कहीं दूर न जाना पड़े। नया इंफ्रास्ट्रक्चर तभी उचित है जब उसमें विधिवत शिक्षा की पूरी व्यवस्था उपलब्ध हो सके। मरीजों की उचित संख्या के अभाव और नियमित शिक्षकों की अनुपलब्धता के चलते ये नए मेडिकलकॉलेज सिर्फ शोपीस का काम करेंगे। ऐसी अधूरी शिक्षा और अपूर्ण प्रशिक्षण के बाद जो डॉक्टर निकलेंगे वे रोगों के निदान और उपचार में भली भांति प्रशिक्षित एवं पारंगत नहीं होंगे। सरकारों को चाहिये कि वे संख्या के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान दें। वोट हासिल करने के लिये नए नए मेडिकल कॉलेज खोलते जाना वास्तव में स्वास्थ्य सेवाओं के लिये नुकसानदेह ही साबित होगा।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

आचार्य विद्यासागर जी की जयंती

अनुशासन, साधना और आत्मसंयम की एक लंबी यात्रा के साथ अध्यात्म चेतना

तमन्ना रिजवी
स्तंभकार



कुछ लोग बहुत कुछ कहकर याद रह जाते हैं, और कुछ बिना ज्यादा बोले भी अपने जीवन से ऐसी छाप छोड़ जाते हैं, जो लंबे समय तक बनी रहती है। आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज का जीवन इसी दूसरी तरह की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रसिद्धि की तलाश नहीं की, किसी पद की इच्छा नहीं की और अपने लिए किसी सम्मान की मांग भी नहीं की। लेकिन उनका जीवन शिक्षा, सेवा, आत्मनिर्भरता, करुणा और मानवीय मूल्यों से जुड़े ऐसे विचार छोड़ गया, जिन पर आज भी समाज सोच सकता है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब हर आवाज अपनी पहचान बनाना चाहती है। जो जितना दिखाई देता है, उसे उतना ही प्रभावशाली मान लिया जाता है। सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि की रफ्तार जरूर बढ़ा दी है, लेकिन उसका असर कई बार उतनी ही तेजी से कम भी हो जाता है। ऐसे दौर में आचार्य विद्यासागर जी का जीवन हमें याद दिलाता है कि प्रभाव पैदा करने के लिए हमेशा शोर जरूरी नहीं होता। कभी-कभी एक शांत जीवन भी समाज में बहुत गहरी आवाज बन जाता है।

वे कम बोलते थे, लेकिन उनका जीवन बहुत कुछ कहता था। उन्होंने कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं चलाया, फिर भी सामाजिक सोच को प्रभावित किया। कोई सरकारी पद नहीं संभाला, लेकिन शिक्षा, रोजगार, भाषा, संस्कृति, आत्मनिर्भरता, चिकित्सा और नैतिक जीवन जैसे विषयों पर उनकी दृष्टि व्यापक चर्चा का हिस्सा बनी। उन्होंने अपने लिए बहुत कम चाहा, लेकिन समाज के लिए कई ऐसे विचार छोड़े, जिन पर आज भी विचार किया जा सकता है। इसीलिए उनका स्मरण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है। यह उस भारत के बारे में सोचने का अवसर भी है, जो अपने महान व्यक्तित्वों को किस आधार पर पहचानता है और उन्हें राष्ट्रीय स्मृति में किस स्थान पर रखता है। 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगावी जिले के सदलगा गांव में शरद पूर्णिमा की रात विद्याधर अष्टगे को का जन्म हुआ। सामान्य पारिवारिक और सांस्कृतिक वातावरण से निकला यह बालक आगे चलकर भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के प्रमुख नामों में शामिल हुआ। 22 वर्ष की आयु में उन्होंने सांसारिक जीवन का त्याग किया। 30 जून 1968 को अजमेर में आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दिगंबर जैन मुनि दीक्षा ग्रहण की। इसके चार वर्ष बाद, 22 नवंबर 1972 को उन्हें आचार्य पद प्रदान किया गया।

इसके बाद उनका जीवन अनुशासन, साधना और आत्मसंयम की एक लंबी यात्रा बन गया। पैदल यात्राएं, सीमित आवश्यकताएं और कठिन साधना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहीं। लेकिन इस तपस्या ने उन्हें समाज से दूर नहीं किया। इसके विपरीत, समाज और उसके बीच मौजूद जरूरतों को समझने की उनकी दृष्टि और गहरी होती गई। उनके लिए अध्यात्म केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित नहीं था। उसमें समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी शामिल था। शिक्षा कैसी हो, युवाओं को किस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कैसे मजबूत किया जा सकता है, महिलाओं को सम्मानजनक रोजगार के अवसर कैसे मिलें, भारतीय भाषाओं का महत्व कैसे बढ़े और विकास के साथ संवेदनशीलता कैसे बनी रहे—ये सभी विषय उनके चिंतन का हिस्सा रहे।

आत्मनिर्भरता पर उनका जोर विशेष रूप से उल्लेखनीय था। चरखा और हथकरघे से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देने के पीछे केवल रोजगार की सोच नहीं थी। इसके साथ श्रम के सम्मान और अपने पैरों पर खड़े होने का विचार भी जुड़ा था। ग्रामीण और आदिवासी महिलाओं के लिए प्रशिक्षण और आजीविका के अवसरों से जुड़े प्रयास इसी सोच को आगे बढ़ाते दिखाई देते हैं।

उनका व्यक्तित्व साहित्य और ज्ञान से भी गहराई से जुड़ा था। अनेक भारतीय भाषाओं से परिचित इस संत ने अपने आध्यात्मिक चिंतन को साहित्य का रूप भी दिया। उनकी चर्चित कृति ‘मूकमाटी’ जीवन, चेतना और भीतर के बदलाव पर गंभीर विचार सामने रखती है। इस रचना का अंग्रेजी अनुवाद द साइलेंट अर्थ भी सामने आया और राष्ट्रपति भवन में इसका विमोचन हुआ। यह तथ्य भी बताता है कि उनका साहित्य धार्मिक दायरे से बाहर निकलकर व्यापक बौद्धिक और सांस्कृतिक क्षेत्र तक पहुंचा। शिक्षा को लेकर भी उनकी सोच व्यापक थी। वे केवल डिग्री हासिल करने को शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं मानते थे। उनके लिए शिक्षा का असली अर्थ

था—ज्ञान के साथ चरित्र, संवेदना और जिम्मेदारी का विकास। बालिकाओं के लिए मूल्य आधारित शिक्षा की दिशा में काम करने वाली संस्थाओं को भी इसी सोच से प्रेरणा मिली। प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ जैसे प्रयास शिक्षा को संस्कार, संस्कृति और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की कोशिश करते हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उनका दृष्टिकोण सेवा से जुड़ा रहा। चिकित्सा को केवल एक पेशे के रूप में देखने के बजाय मानव सेवा का माध्यम मानने की भावना उनके विचारों में दिखाई देती है। भारतीय भाषाओं

और सांस्कृतिक आत्मविकास को लेकर भी उनकी दृष्टि महत्वपूर्ण थी। उनका मानना था कि ज्ञान तभी व्यापक रूप से लोगों तक पहुंच सकता है, जब वह उनको अपनी भाषा में उपलब्ध हो।

उनकी करुणा केवल मनुष्य तक सीमित नहीं थी। अहिंसा, पशु संरक्षण, पर्यावरण और सीमित उपभोग के प्रति उनका आग्रह आज के समय में और अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। आज जब विकास और उपभोग के बीच संतुलन बनाना दुनिया के सामने बड़ी चुनौती है, तब कम में संतोष, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हर जीव के प्रति करुणा का विचार केवल धार्मिक संदेश नहीं रह जाता। यह हमारे सामाजिक जीवन और पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण बन जाता है। उनके जीवन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर मिली श्रद्धांजलियां भी उनके व्यापक प्रभाव की ओर संकेत करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि आचार्य विद्यासागर जी का जीवन ज्ञान, करुणा और सेवा की त्रिवेणी थी। प्रधानमंत्री ने उनके आध्यात्मिक जागरण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में उनके योगदान को भी याद किया। उनके अनुसार, उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

क्योंकि किसी राष्ट्र की महानता केवल उसकी संपत्ति, शक्ति या तकनीक से तय नहीं होती। उसकी असली पहचान इस बात से भी होती है कि वह किन जीवन-मूल्यों को सम्मान देता है और किन लोगों को अपनी राष्ट्रीय स्मृति में स्थान देता है। आचार्य विद्यासागर जी का मौन आज भी जैसे यही सवाल पूछता है। और शायद इस पूरे विमर्श का सबसे गहरा अर्थ भी यही है—क्या हम उस मौन में छिपी आवाज को सुनकर उसे राष्ट्रीय सम्मान देने के लिए तैयार हैं?

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

डिप्रेशन का नाम सुनते ही मन में उदासी, थकान, निराशा और किसी काम में मन न लगने जैसे लक्षण आते हैं। लेकिन डिप्रेशन भी हर व्यक्ति में एक जैसा नहीं होता। कुछ लोगों में लंबे समय तक उदासी और निराशा बनी रहती है, जबकि कुछ लोगों के मूड में उदासी के साथ असामान्य तेजी और उत्साह के दौर भी आते हैं। यही अंतर यूनिपोलर और बाइपोलर डिप्रेशन को समझने में मदद करता है। दोनों स्थितियों में उदासी, नींद की परेशानी, थकान और काम में रुचि कम होने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसलिए केवल लक्षण देखकर यह तय करना मुश्किल है कि व्यक्ति किस समस्या से जूझ रहा है। इसके लिए उसके पुराने



व्यवहार और मूड में होने वाले बदलावों को समझना जरूरी है।
यूनिपोलर डिप्रेशन में क्या होता है? यूनिपोलर डिप्रेशन को सामान्य तौर पर ऐसे स्थिति के रूप में समझा जाता है, जिसमें व्यक्ति लंबे समय तक उदासी, निराशा और रुचि की कमी महसूस करता है। पहले पसंद आने वाले कामों में भी मन नहीं लगता। थकान बनी रहती है और नींद तथा भूख में बदलाव हो सकता है। व्यक्ति को ध्यान लगाने, फैसले लेने और रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो सकती है। यदि ये लक्षण कम से कम दो सप्ताह तक बने रहें और जीवन को प्रभावित करने लगे, तो

हर उदासी डिप्रेशन नहीं, मूड में बदलाव से पहचानें बीमारियों का अंतर

डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। हालांकि, केवल दो सप्ताह तक उदास रहने का मतलब यह नहीं कि व्यक्ति को डिप्रेशन है। सही पहचान के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है।
बाइपोलर डिप्रेशन इससे कैसे अलग है? बाइपोलर डिप्रेशन, बाइपोलर डिसऑर्डर का एक हिस्सा है। इसमें व्यक्ति को डिप्रेशन जैसे दौर आते हैं, लेकिन जीवन में कभी-कभी ऐसे दौर भी आ सकते हैं, जब उसका मूड और सक्रियता सामान्य से बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस दौरान व्यक्ति को कम नींद में भी थकान महसूस नहीं होती, वह बहुत तेजी से बोल सकता है, उसके विचार तेजी से दौड़ सकते हैं और वह जरूरत से ज्यादा उत्साहित या चिड़चिड़ा हो सकता है। ऐसे दौर को मेनिया या कम गंभीर स्थिति में हाइपोमेनिया कहा जाता है। हर व्यक्ति में इसके

लक्षण एक जैसे नहीं होते। कई बार परिवार के लोग भी इन बदलावों को बीमारी के बजाय सामान्य उत्साह या अच्छे मूड के रूप में देखते हैं।
पुराना व्यवहार जानना जरूरी: दोनों स्थितियों में सबसे बड़ा अंतर व्यक्ति के मूड का पुराना रिकॉर्ड है। डॉक्टर यह जानने की कोशिश करते हैं कि उदासी के अलावा कभी असामान्य उत्साह, बहुत कम नींद, बढ़ी हुई सक्रियता या जल्दबाजी में फैसले लेने जैसे बदलाव भी हुए हैं या नहीं। परिवार में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का इतिहास भी उपयोगी हो सकता है। इसलिए खुद से बीमारी का नाम तय करना या बिना सलाह दवा लेना ठीक नहीं है। दोनों स्थितियों के इलाज में अंतर हो सकता है। गलत दवा या गलत इलाज परेशानी बढ़ा सकता है।

निशाना

दूर जिनकी बहुत ही मंजिल है राही वे कब विराम करते हैं



प्रदीप कश्यप

खूब मजदूर काम करते हैं। कारखाने में शाम करते हैं। रात होते ही दीप जल कर के। तीरगी को तमााम करते हैं। दूर जिनकी बहुत ही मंजिल है। राही वे कब विराम करते हैं। छीन लेते हैं खास सुख सां। दुख सहन लोग आम करते हैं। जीत लेते खिलाड़ी मेडल जो। देश का ऊँचा नाम करते हैं। कैसे कश्यप ये हाल सुधरेंगे। ठग लुटेरे निजाम करते हैं।

वायरल कटेंट

रूस से गया पहुंची पांच महिलाएं, पूर्वजों के मोक्ष के लिए श्रद्धा से किया पिंडदान

बिहार के गयाजी में पितृपक्ष के दौरान एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने देवघाट पर मौजूद लोगों का ध्यान खींच लिया। रूस से आई पांच महिलाओं ने भारतीय पारंपरिक वेशभूषा पहनकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना से विधि-विधान के साथ पिंडदान किया।

विदेशी महिलाओं को भारतीय रीति-रिवाजों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करते देख वहां मौजूद कई लोग भावुक हो गए। उनकी श्रद्धा और समर्पण का यह दृश्य चर्चा का विषय बन गया।

गयाजी में पितृपक्ष के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण करने पहुंचते हैं। हिंदू मान्यताओं में इस स्थान का विशेष महत्व है। विष्णुपद मंदिर और फल्गु नदी के किनारे स्थित देवघाट पर पितरों के निमित्त किए जाने वाले अनुष्ठानों को महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी आस्था के चलते रूस की पांच महिलाओं ने भी यहां पहुंचकर अपने पूर्वजों के लिए धार्मिक

कर्मकांड संपन्न किए।

देवघाट पर पहुंची पांचों महिलाओं ने भारतीय पारंपरिक परिधान धारण किए। वे जमीन पर बैठकर मंत्रोच्चार के बीच पिंडदान की प्रक्रिया में शामिल हुईं। उन्होंने अपने पूर्वजों को याद किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।



अनुष्ठान के दौरान उनके चेहरे पर श्रद्धा और भक्ति का भाव दिखाई दिया। आमतौर पर विदेश से आने वाले पर्यटक भारत की ऐतिहासिक इमारतों, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत को देखने पहुंचते हैं। लेकिन इन महिलाओं का उद्देश्य पर्यटन से अलग था। वे अपने पूर्वजों के प्रति कर्तव्य निभाने और भारतीय धार्मिक परंपरा के अनुसार पिंडदान करने के लिए रूस से बिहार आई थीं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इन महिलाओं को गया में पिंडदान के महत्व के बारे में इसी साल जुलाई में जानकारी मिली थी।

स्मार्टफोन के पीछे लगाया जाने वाला छोटा-सा होल्डर आमतौर पर फोन को मजबूती से पकड़ता या उसे टिकाकर रखने के काम आता है। लेकिन दक्षिण कोरिया की पांचवीं कक्षा की छात्रा किम जी-ऑन ने इसी साधारण चीज को अपात स्थिति में मदद करने वाले उपकरण का रूप देने का विचार पेश किया है। उनका बनाया फोन होल्डर जरूरत पड़ने पर नाक और मुंह ढकने वाले

मास्क में बदल सकता है। इसका उद्देश्य आग लगने पर उठने वाले धुएं से बचाव करते हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने के लिए कुछ समय देना है।
होटल में आग की खबर से आया विचार: इस उपकरण को बनाने का विचार किम जी-ऑन को वर्ष 2024 में दक्षिण कोरिया के बुचियोन शहर के एक होटल में लगी भीषण आग की खबर देखने के बाद आया। इसके बाद स्कूल की यात्रा के दौरान जब वह अग्निशमन केंद्र पहुंचीं, तो उन्हें पता चला कि आग के समय केवल लपेटें ही नहीं, बल्कि जहरीला धुआं भी जानलेवा हो सकता है। धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी हो सकती है और परता दिखाई देना भी मुश्किल हो सकता है। इस जानकारी ने उन्हें ऐसा उपकरण बनाने के लिए प्रेरित किया, जो लोगों के पास पहले से मौजूद हो और आपात स्थिति में तुरंत इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने अपने शिक्षकों के साथ

विचार साझा किया और स्मार्टफोन के पीछे लगने वाले होल्डर को ही बचाव के उपकरण में बदलने की दिशा में काम किया।

इस आविष्कार का नाम 'इनिशियल फायर इवैक्यूएशन ब्रीदिंग ग्रिपटॉक' बताया गया है। सामान्य स्थिति में यह फोन को पकड़ने में मदद करता है। जरूरत पड़ने पर इसे खोलकर नाक और मुंह ढकने वाले मास्क के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें सक्रिय कार्बन और बिना बुने हुए कपड़े से बने छानने वाले पदार्थों की परतें इस्तेमाल की गई हैं। इनका उद्देश्य धुएं के कुछ कणों और कुछ हानिकारक पदार्थों को रोकने में मदद करना है। इसमें आग का असर कम करने वाले विशेष कपड़े का भी उपयोग किया गया है।

इस उपकरण का मकसद आग के बीच लंबे समय तक सांस लेने की सुविधा देना नहीं, बल्कि बाहर निकलने की शुरुआती कोशिश में सीमित मदद पहुंचाना है। इसकी वास्तविक सुरक्षा क्षमता जानने के लिए यह समझना जरूरी है कि सामान्य छानने वाले मास्क सभी जहरीली गैसों या कार्बन मोनोऑक्साइड से सुरक्षा नहीं देते। इसलिए इसे प्रमाणित अग्नि-सुरक्षा उपकरण या धुएं से बचाव के विशेष श्वसन उपकरण का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

न्यूज विंडो

सरकारी योजनाओं से बदली जिंदगी विद्यार्थियों ने बयां की सफलता की कहानी



तेंदूखेड़ा। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शुक्रवार, 9 अक्टूबर को शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘कहानी बदलाव की’ सफलता कथा संकलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनके अनुभव और सफलता की कहानियां संकलित की गईं। विद्यार्थियों ने वीडियो क्लिप के माध्यम से बताया कि योजनाओं से उन्हें शिक्षा, आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य सुविधाओं और उच्च शिक्षा के अवसर प्राप्त करने में मदद मिली है। उन्होंने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में आए बदलाव और शिक्षा के प्रति बढ़ी रुचि के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के दौरान योजनाओं की पात्रता, स्वरूप और उनसे मिले लाभों की जानकारी भी जुटाई गई। इन अनुभवों को वीडियो के माध्यम से संकलित किया गया।

400 से 500 भैंस चोरी होने का दावा कांग्रेस ने प्रशासन से मांगा हिसाब



तेंदूखेड़ा। तहसील क्षेत्र में बढ़ती भैंस और बकरी चोरी की घटनाओं के विरोध में कांग्रेस नेताओं एवं प्रभावित ग्रामीणों ने शुक्रवार को कलेक्टर दमोह के नाम एसडीएम के माध्यम से ज्ञापन सांपा। कांग्रेस ने क्षेत्र में अब तक 400 से 500 भैंस चोरी होने का दावा करते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख मार्गों पर रात के समय वाहनों की सघन चेकिंग, संदिग्ध वाहनों की जांच और चोरी में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही प्रभावित पशुपालकों को ऋण या सरकारी सहायता के माध्यम से दोबारा भैंस उपलब्ध कराने की मांग रखी, ताकि उनकी आजीविका फिर शुरू हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में जनपद पंचायत अध्यक्ष तुलाराम यादव, जिला पंचायत सदस्य रजनी ठाकुर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानक पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीलेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

त्योहारों पर सुरक्षा का पहरा, सड़कों के गड़े और बिजली समस्या भी उठी



ओबेदुल्लागंज। आगामी नवरात्रि और दशहरा पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से ओबेदुल्लागंज में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने भाग लेकर त्योहारों की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। बैठक में नागरिकों ने सड़कों के गड़्गड़ और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं उठाईं। नायब तहसीलदार नीलेश सरवटे ने बताया कि समस्याओं को दर्ज कर संबंधित विभागों को सुधार के निर्देश दिए गए हैं। एक-दो दिनों में थाना प्रभारी के साथ क्षेत्र का निरीक्षण कर कमियां दूर कराने का प्रयास किया जाएगा। थाना प्रभारी भरत प्रताप सिंह ने नागरिकों से त्योहार आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रहेगी, संवेदनशील स्थानों पर गश्त बढ़ाई जाएगी और मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल तैनात किया जाएगा। नागरिकों ने प्रशासन को सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

मेट्रो एंकर तारादेही के 151 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय और दो बैंकों का किया भ्रमण, उच्च शिक्षा व रोजगार के अवसरों की ली जानकारी

किताबों से निकलकर हकीकत की दुनिया में पहुंचे विद्यार्थी



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तारादेही के व्यावसायिक शिक्षा के आईटी एवं बैंकिंग ट्रेड के 151 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण के तहत इंडस्ट्री विजिट कराई गई। विद्यालय से करीब 24 किलोमीटर दूर तेंदूखेड़ा पहुंचे विद्यार्थियों ने महाविद्यालय और बैंक की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक जानकारी देना और रोजगार के अवसरों से परिचित कराना था।

महाविद्यालय में जाना उच्च शिक्षा का महत्व

विद्यार्थियों ने वीरंगना रानी दुर्गावती महाविद्यालय का भ्रमण किया। यहां प्राध्यापकों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं और उच्च शिक्षा के अवसरों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को प्रयोगशालाओं

और पुस्तकालय का अवलोकन भी कराया गया। इससे उन्हें अध्ययन और प्रयोगात्मक गतिविधियों को समझने का अवसर मिला।

बैंकिंग व्यवस्था समझी, रोजगार के अवसर जाने

विद्यार्थियों ने भारतीय स्टेट बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखाओं का भ्रमण किया। शाखा प्रबंधकों ने खातों के प्रकार, ब्याज दरों, बैंकिंग सेवाओं और दैनिक कार्यप्रणाली की जानकारी दी। विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देकर बैंकिंग क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं से भी अवगत कराया गया। भ्रमण में प्राचार्य केएल चौकसे, अतुल जैन, नीलेश विश्वकर्मा, पूजा पांडे और शिवानी साहू उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों ने बड़ी खेरमाई मंदिर के दर्शन किए और भोजन के बाद बसों से विद्यालय लौटे।

तालाब में 10 फीट का मगरमच्छ, खेत की मेड़ पर भी दी दस्तक



विदिशा, भोपाल और सीहोर में 21 से 22 चोरी, रेलवे स्टेशन के पास से पुलिस ने पकड़ा

ड्रीमसिटी नकबजनी का खुलासा: 21.50

लाख का माल बरामद, चोर गिरफ्तार

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर की ड्रीमसिटी कॉलोनी में सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरत, डायमण्ड सेट और नकदी चोरी करने के मामले में पुलिस ने शक्ति आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से करीब 21.50 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया गया है। इसमें कीमती जेवरत और 23 हजार 200 रुपये नकद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ड्रीमसिटी कॉलोनी, हथोड़ा निवासी अंकित अग्रवाल ने 5 अक्टूबर को मकान में चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अज्ञात आरोपी सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, डायमण्ड सेट और नकदी लेकर फरार हो गया था। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मुखबिरी की सूचना पर रेलवे स्टेशन के पास दबिशा

पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देश पर गठित टीम ने घटनास्थल से मिले भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। इसी दौरान मुखबिरी से मिली सूचना के आधार पर



पुलिस ने 9 अक्टूबर को रेलवे स्टेशन के पास एक युवक को पकड़ा। पृष्ठछाछ में आरोपी ने ड्रीमसिटी कॉलोनी में चोरी करना स्वीकार किया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

3 जिलों में वारदातों में सलिप्तता

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी विदिशा, भोपाल और सीहोर जिलों में चोरी एवं नकबजनी के करीब 21 से 22 मामलों में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक संजय वेदिया सहित निरीक्षक आनंद राज, निरीक्षक योगेन्द्र साहू, उपनिरीक्षक राधेश्याम यादव और पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलमबंद आंदोलन से किसानों के राजस्व कार्यों पर संकट पटवारियों ने छोड़ा काम, तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर शुरू किया अनिश्चितकालीन आंदोलन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर तेंदूखेड़ा तहसील के समस्त पटवारियों ने शुक्रवार से अनिश्चितकालीन कलमबंद हड़ताल शुरू कर दी। आंदोलन के तहत पटवारियों ने अपने बस्ते तहसील कार्यालय में जमा कर दिए और तहसीलदार विवेक व्यास को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराया। पटवारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक शासन उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

प्रदेशव्यापी विरोध के समर्थन में आंदोलन

पटवारी संघ के ब्लॉक अध्यक्ष भानु साहू ने बताया कि प्रदेश में पटवारियों के खिलाफ की जा रही कड़ी कार्रवाई के विरोध में संघ ने यह कदम उठाया है। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर



तेंदूखेड़ा तहसील के सभी पटवारी आंदोलन में शामिल हुए हैं। उन्होंने शासन से पटवारियों की समस्याओं का निराकरण कर उचित निर्णय लेने की मांग की।

किसानों के काम अटकने की आशंका

पटवारियों की हड़ताल से किसानों से जुड़े राजस्व कार्य प्रभावित होने की संभावना है। वर्तमान में खेतों की गिरदावरी, फसल संबंधी आपत्तियों का निराकरण, फसल सुधार और

फसल पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य चल रहे हैं। ऐसे में कामकाज बंद रहने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं में देरी की आशंका भी बनी हुई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान योगेश मेहरा, अंकुर गुरु, समीर खान, शुभम पांडे सहित अन्य पटवारी मौजूद रहे। पटवारियों ने कहा कि वे संघ के निर्णय के अनुसार आंदोलन जारी रखेंगे और शासन के सकारात्मक निर्णय का इंतजार करेंगे।

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ वन परिक्षेत्र के मुंडेरी ग्राम पंचायत अंतर्गत पुरेनहाऊ गांव में 10 फीट लंबे मगरमच्छ की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत है। शुक्रवार दोपहर मगरमच्छ तालाब में दिखाई दिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन मगरमच्छ पानी में चला गया और रेस्क्यू नहीं हो सका।

ग्रामीणों के अनुसार, गुरुवार रात एक किसान को रतन सिंह के खेत की मेड़ पर मगरमच्छ बैठा दिखाई दिया था। कुछ दिन पहले वह एक घर के आगन तक भी पहुंच गया था। लगातार आबादी के नजदीक मगरमच्छ दिखाई देने

से ग्रामीण अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। तेजगढ़ रेंज के डिप्टी रेंजर चंद्र नारायण चौबे ने बताया कि मगरमच्छ को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरा रखवाया गया है। दोबारा लोकेशन मिलने पर टीम उसे सुरक्षित पकड़ने का प्रयास करेगी। क्षेत्र से गुजरने वाली ब्यारमा नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छ पाए जाते हैं। कई बार ये नदी से निकलकर तालाबों और रहवासी इलाकों तक पहुंच जाते हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से तालाब और नदी के किनारे जाने से बचने तथा मगरमच्छ दिखने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है।

सेवा संकल्प शिविर में उमड़े दिव्यांग-बुजुर्ग 465 का पंजीयन



307 हितग्राही सहायक उपकरणों के लिए चयनित, मौके पर 123 दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बने

औबेदुल्लागंज। जनपद पंचायत परिसर में भारत सरकार की एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों और वृद्धजनों के लिए संयुक्त परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। विधायक सुरेंद्र पटवा एवं कलेक्टर रायसेन के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में कुल 465 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया। इनमें ग्रामीण क्षेत्र से 371, नगर पालिका मंडीदीप से 76 और नगर परिषद औबेदुल्लागंज से 18 हितग्राही शामिल हुए। शिविर में एलिम्फो उज्जैन की विशेषज्ञ टीम और जिला मेडिकल बोर्ड रायसेन के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। परीक्षण के आधार पर वृद्धजनों को 267 तथा दिव्यांगजनों को 40 सहायक उपकरणों के लिए पात्रता के अनुसार चयनित किया गया। वहीं, 123 दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र मौके पर ही बनाए गए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश नरगुवां विद्यालय में रोपे गए पौधे हरियाली बचाने का लिया संकल्प



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान एवं ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय नरगुवां में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में विकासखंड तेंदूखेड़ा के सेक्टर सहजपुर में नवांकुर संस्था, सूर्या सेवा समिति और शाला परिवार के संयुक्त सहयोग से विद्यालय परिसर में पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरियाली को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। इस दौरान छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया गया कि प्रकृति मानव जीवन का आधार है। पर्यावरण को सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधे

लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संदेश दिया गया कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। विद्यार्थियों ने भी पौधों की देखभाल करने और प्रकृति संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्येंद्र जैन, जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव, गुलाब ठाकुर, कमलेश ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, सचिन केवट, भगवान सिंह ठाकुर, नरगुवां सोसायटी के कांयूटर ऑपरेटर, सूर्या सेवा समिति के कार्यक्रम समन्वयक प्रीतम केवट सहित शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं शाला परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
बुली निविदा क्रमांक : WCR-CRWS-TOILETUPG-25-09R
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुमति देकदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य का नाम: अप-ग्रेडेशन ऑफ टॉइलेट ऑफ एलएचबी एसी कोचेस एट सीआरबलब्लूएस, भोपाल। कार्य की लागत: ₹ 29,10,12,030.40 निविदा फॉर्म का मूल्य: ₹ 0.00 बरोहर राशि: ₹ 58,20,300.00 कार्य पूर्ण करने की अवधि: 24 माह ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय: 09.10.2026/ 23.10.2026 को 16.00 बजे तक निविदा खुलने का दिनांक एवं समय: 23.10.2026 को 16.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.irps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सड़ियुका/ भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।
(हस्ता.)
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सड़ियुका, निशातपुरा, प.म.रे.,भोपाल
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

गुणावद हत्याकांड : तीन दिन में कार्रवाई के आश्वासन पर खुला चक्काजाम

फोरलेन पर शव रखकर दो घंटे तक प्रदर्शन, मुख्य आरोपी के मकान और होटल के अवैध हिस्से को तोड़ने की मांग, एक आरोपी हिरासत में, दो की तलाश जारी

धार। दोपहर मेट्रो

गुणावद में युवक विकास कायत की चाकूबाजी में हत्या के बाद शुक्रवार को परिजनों और ग्रामीणों ने इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर शव रखकर करीब दो घंटे तक चक्काजाम किया। आक्रोशित लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और मुख्य आरोपी के मकान व होटल के अवैध हिस्से को तोड़ने की मांग की। प्रदर्शन के कारण यातायात प्रभावित हुआ और वाहनों को डायवर्ट करना पड़ा। प्रशासन ने तीन दिन में वैधानिक कार्रवाई करने तथा मामले में शामिल अन्य

आरोपियों की जांच कर गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया और अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार, गुणावद स्थित तिरुपति होटल पर रोटी लेने पहुंचे विकास और उसके साथी का कुछ लोगों से विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद मारपीट हुई और सर्विस रोड पर चाकू से हमला किया गया। विकास के सीने में गंभीर चोट आई। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक घायल हुए। सादलपुर पुलिस ने गोलू,



इमरान और बबलू के खिलाफ हत्या सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। मुख्य आरोपी गोलू हिरासत में है, जबकि

अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। मौके पर एएसपी विजय डवर सहित पुलिस बल तैनात रहा।

होटल पर विवाद के बाद चाकूबाजी

गुणावद स्थित तिरुपति होटल पर रोटी लेने पहुंचे विकास कायत और उसके साथी का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। शुरुआती कहासुनी जल्द ही मारपीट में बदल गई। आरोप है कि इसके बाद विकास और उसके साथियों को सर्विस रोड पर एक गुमटी के सामने रोककर हमला किया गया। चाकूबाजी में विकास के सीने पर गंभीर चोट आई। उसे तत्काल धार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में दो अन्य युवक भी घायल हुए हैं। वारदात के बाद सादलपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। विकास का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा तो परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। लोगों ने इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर शव रखकर चक्काजाम किया। उनकी मांग थी कि आरोपियों पर कठोर कार्रवाई हो और मुख्य आरोपी के मकान व होटल के अवैध हिस्से को तोड़ा जाए। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन से यातायात प्रभावित रहा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों से चर्चा कर तीन दिन में वैधानिक कार्रवाई का भरोसा दिया।

न्यूज बिंदो

शनिश्चरी अमावस्या पर शनि मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुख-समृद्धि की कामना की



गंजबासोदा। शनिश्चरी अमावस्या के पावन अवसर पर बरी घाट रोडस्थित शनि मंदिर में आज श्रद्धा और भक्ति का अनूठा नजारा देखने को मिला। सुबह से ही शनि देव के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा। मंदिर परिसर भक्तों की आवाजाही से गुलजार रहा और माहौल भक्तिमय बना रहा। इस विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से शनि देव की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली तथा जीवन में सुख-शांति बनाए रखने की कामना की। भक्तों में दर्शन-पूजन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। लोगों ने श्रद्धापूर्वक शनि देव के समक्ष शीश नवाया और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। शनिश्चरी अमावस्या पर मंदिर में उमड़ी भीड़ ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल बना दिया। श्रद्धालुओं ने शनि देव के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए परिवार और समाज की सुख-शांति की कामना की।

पत्थरों और पत्तियों पर उकेरी प्रकृति की सुंदरता, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



नरसिंहपुर। वन्य प्राणी सप्ताह के अंतर्गत एकीकृत माध्यमिक शाला लोकीपार, जेएसके सिंहपुर बड़ा में विद्यार्थियों के लिए पेबल पेंटिंग एवं लीफ आर्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका उद्देश्य बच्चों में वन्यजीवों और प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उनकी रचनात्मकता एवं कलात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। पेबल पेंटिंग प्रतियोगिता में विनय वंशकार ने प्रथम, अंश यादव ने द्वितीय और विनायक ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, लीफ आर्ट प्रतियोगिता में विनय वंशकार, विनायक ठाकुर, अनुराग चौधरी और अरमान खान ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। द्वितीय स्थान पर जीविका मेहरा, राखी यादव, सुहानी वंशकार और अनुराग विश्वकर्मा रहे। महिमा चौधरी, आराध्या विश्वकर्मा, गोविंद चौधरी और दिशा वंशकार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पत्थरों और पत्तियों से आकर्षक कलाकृतियां बनाईं। प्रधानपाठिका शिखा शर्मा ने बच्चों को प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया। इको क्लब प्रभारी कमलेश साहू, नेहा शर्मा, अर्चना शर्मा और नमिता नेमा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

9 माह के मासूम के गले में फंसी काजल की डिबिया, डॉक्टर ने बचाई जान



शाजापुर। जिले के ग्राम लड़वद में नौ माह के मासूम हर्ष के गले में काजल की डिबिया फंस गई। सांस लेने में तकलीफ होने पर परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने समय पर उपचार कर उसकी जान बचा ली। डिबिया निकलने के बाद बच्चे की हालत सामान्य बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, ग्राम लड़वद निवासी गजरज सिंह का नौ माह का बेटा हर्ष घर में रखी काजल की डिबिया मुंह में डाल बैठा। इसी दौरान सांस लेने पर डिबिया गले में अंदर तक जाकर फंस गई। बच्चे को परेशानी होने पर परिजनों ने जांच की तो उन्हें घटना का पता चला। खबरएं परिजन उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में ईएमटी डॉ. तेजपाल सिंह जादौन और उनकी टीम ने तत्काल उपचार शुरू किया। डॉ. जादौन ने लैरिंगोस्कोपी की मदद से प्रक्रिया पूरी करते हुए गले में फंसी डिबिया बाहर निकाल ली। इससे बच्चे को राहत मिली और परिजनों ने भी चैन की सांस ली। डिबिया निकालने के बाद हर्ष को एहतियातन आईसीयू में भर्ती किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत सामान्य है। बच्चे के परिजनों ने समय पर उपचार करने के लिए डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ का आभार जताया।

अनूपपुर, शहडोल और उमरिया के बाजारों में पतंजलि घी व राजेश मसाला की उपलब्धता पर सवाल

एक तरफ रिकॉल के आदेश, दूसरी तरफ बाजार में बिक्री के आरोप

शहडोल। दोपहर मेट्रो

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को लेकर अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिलों में सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश में पतंजलि गाय के घी के एक विशेष बैच को प्रयोगशाला जांच में असुरक्षित पाए जाने के बाद बाजार से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में राजेश ब्रांड के कुछ विशेष बैचों को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद उनकी बिक्री रोकने और रिकॉल की कार्रवाई की गई थी।

इसके बावजूद कोतमा, जैतहरी, अनूपपुर, शहडोल, ब्यूहारी और पाली सहित आसपास के बाजारों में इन ब्रांडों के उत्पाद उपलब्ध होने की बात सामने आई है। ऐसे में सवाल है कि संबंधित बैचों का स्टॉक दुकानों तक पहुंचा है या नहीं और यदि पहुंचा है, तो उसे हटाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है।

खाद्य सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है कि संबंधित दुकानों पर उपलब्ध उत्पादों के बैच नंबर,



निर्माण तिथि और स्टॉक की जांच की जाए। हालांकि, बाजार में उत्पाद उपलब्ध होने मात्र से यह साबित नहीं होता कि वे जांच में असुरक्षित घोषित किए गए वही बैच हैं। संबंधित बैचों की पहचान और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पतंजलि घी के विशेष बैच पर रिकॉल की कार्रवाई

मध्यप्रदेश खाद्य सुरक्षा विभाग के आदेश के अनुसार, पतंजलि गाय के घी के 200 एमएल पैक, निर्माण माह अप्रैल 2026 को

बाजार से वापस लेने की कार्रवाई की जा रही है। विभागीय निर्देशों में संबंधित स्टॉक मिलने पर जब्ती और नियमानुसार कार्रवाई का उल्लेख है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट के आधार पर इस बैच को असुरक्षित घोषित किया गया है। ऐसे में दुकानदारों और वितरकों के स्टॉक की जांच अहम है। उपभोक्ताओं को भी पैक पर दर्ज बैच नंबर और निर्माण संबंधी विवरण मिलाने चाहिए। केवल ब्रांड के नाम के आधार पर सभी पैक को असुरक्षित मानना उचित नहीं होगा।

राजेश मसाला के दो बैच भी जांच के दायरे में

उत्तर प्रदेश में राजेश ब्रांड के चिकन मसाला के बैच नंबर 05 को प्रयोगशाला जांच के बाद मानव स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित घोषित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद संबंधित उत्पाद की बिक्री और वितरण रोकने तथा बाजार से वापस लेने की कार्रवाई की गई। इसी तरह राजेश ब्रांड मिक्स मसाला पाउडर यानी सब्जी मसाला के लॉट नंबर 03 पर भी उत्तर प्रदेश में बिक्री रोकने और रिकॉल की कार्रवाई की गई थी। अब अनूपपुर, शहडोल और उमरिया क्षेत्र में संबंधित उत्पादों की उपलब्धता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच से ही स्पष्ट होगा कि इन बाजारों में संबंधित बैच मौजूद हैं या नहीं और उन्हें हटाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

कालिदास स्पर्धा में संस्कृत की गूंज, नृत्य-नाटिका और चित्रकला में भी दिखा हुनर

विजेताओं को सम्मानित कर संभाग स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए किया प्रेरित

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, नरसिंहपुर में महाकवि कालिदास-2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन और संस्था प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में जिले के नरसिंहपुर, करेली और गोडगंव विकासखंडों के चर्यातित विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्कृत श्लोक पाठ, नृत्य-नाटिका और चित्रकला में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

संस्कृत श्लोक पाठ के कनिष्ठ वर्ग में प्रिंसी सोनी प्रथम और आसत्य नेमा द्वितीय रहे। वरिष्ठ वर्ग में नीलम श्रीपाल ने प्रथम तथा रिहान अली ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नृत्य-नाटिका के कनिष्ठ वर्ग में रितिका, नैनसी एवं



समूह प्रथम और रोशनी एवं समूह द्वितीय रहे। वरिष्ठ वर्ग में आशी बिश्न्ये एवं समूह ने प्रथम, जबकि संस्था एवं समूह ने द्वितीय स्थान हासिल किया। चित्रकला के कनिष्ठ वर्ग में कीर्ति थापा प्रथम और दीपांश मेहरा द्वितीय रहे। वरिष्ठ वर्ग में श्रद्धा कुर्मी प्रथम तथा सुष्टि साहू द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. यतीन्द्र महोबे, एमजी

शर्मा, ममता शर्मा, नीता डहरिया और दीपक आर्या ने किया। विजेताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नम्रता गुप्ता ने किया। आयोजन में भारती यादव, आरती दुबे, राजेश मेहरा सहित विद्यालयीन स्टाफ का सहयोग रहा।

मेट्रो एंकर सांदीपनी विद्यालय में कार्यक्रम को लेकर डीईओ ने अधिकारियों-कर्मचारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

सीएम के दौरे को लेकर शिक्षा विभाग अलर्ट, तैयारियों का खाका तैयार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

खैरी नाका स्थित सांदीपनी विद्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर शिक्षा विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदारियां सौंपीं।

बैठक में स्वागत, बैठक व्यवस्था, मंच संचालन, प्रोटोकॉल, सुरक्षा, अनुशासन, पेयजल और स्वच्छता सहित सभी जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। डीईओ ने विद्यार्थियों के सुरक्षित आवागमन और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें। कार्यक्रम से पहले



स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाएं पूरी करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा, एडीपीसी मनीष जैन, जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप द्विवेदी, नोडल अधिकारी राजीव किशोर श्रीवास्तव, सांदीपनी प्राचार्य प्रभात मिश्रा, सहायक नोडल अधिकारी विक्रम शर्मा सहित अन्य अधिकारी और प्राचार्य उपस्थित रहे।

खागत से सुरक्षा तक, व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी तय

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए शिक्षा विभाग ने आयोजन स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत कार्ययोजना बनाई है। बैठक में अतिथियों के स्वागत, मंच एवं बैठक व्यवस्था, कार्यक्रम संचालन, प्रोटोकॉल, सुरक्षा और अनुशासन की

पसान में मंगल भवन निर्माण पर विवाद, लीज की जमीन पर काम कराने का आरोप

एसईसीएल ने नगर पालिका को नोटिस भेजकर निर्माण रोकने के लिए निर्देश, करीब 19.2 लाख के कार्यदेश पर उठे सवाल



पसान। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद पसान में मंगल भवन निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एसईसीएल के कोतमा-गोविंद उपक्षेत्र प्रबंधन ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र भेजकर ग्राम पसान स्थित खसरा नंबर 1200 की भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोकने के निर्देश दिए हैं।

9 सितंबर 2026 के पत्र के अनुसार, संबंधित भूमि एसईसीएल के स्वामित्व और माईनिंग लीज क्षेत्र में आती है। स्थल निरीक्षण में यहां मंगल भवन सहित अन्य निर्माण कार्य होते पाए गए। एसईसीएल का कहना है कि निर्माण से पहले सक्षम प्राधिकारी की अनुमति अथवा आवश्यक अनापति प्रमाणपत्र नहीं लिया गया। नगर पालिका के दस्तावेजों के मुताबिक, मंगल भवन निर्माण के लिए करीब 19.2 लाख रुपए का कार्यदेश जारी किया गया था और कार्य पूरा करने की अवधि नौ माह तय थी। अब सवाल उठ रहे हैं कि भूमि संबंधी अनुमति के बिना कार्यदेश किस आधार पर जारी हुआ और निर्माण में संबंधित पदाधिकारियों की क्या भूमिका रही।

रांची टी-20 में छक्कों की बरसात

501 रन बने और ध्वस्त हुए कई रिकॉर्ड

वेस्टइंडीज ने टीम इंडिया को चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी

रांची। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में रनों का ऐसा तूफान आया कि गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 249 रन बनाए, लेकिन वेस्टइंडीज ने कप्तान शाई होप के तूफानी शतक और शेरफेन रदरफोर्ड की विस्फोटक पारी के दम पर 9 गेंद शेष रहते छह विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ पांच मैचों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। मुकाबले में कई ऐसे रिकॉर्ड बने, जिन्होंने टी20 क्रिकेट के इतिहास में इस मैच को खास बना दिया।

250 रन का लक्ष्य, फिर भी भारत की हार- वेस्टइंडीज के सामने जीत के लिए 250 रन का विशाल लक्ष्य था। आमतौर पर टी20 क्रिकेट में इतना बड़ा लक्ष्य जीत की मजबूत गारंटी माना जाता है, लेकिन मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की रणनीति को ध्वस्त कर दिया। कप्तान शाई होप ने नाबाद 102 रन बनाए, जबकि शेरफेन रदरफोर्ड ने 84 रन की विस्फोटक पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए 120 रन की अहम साझेदारी की। इस साझेदारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया। होप ने जहां संपलकर बल्लेबाजी करते हुए पारी को मजबूती दी, वहीं रदरफोर्ड ने बड़े शॉट लगाकर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा।



टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे बड़ा सफल लक्ष्य

वेस्टइंडीज ने 250 रन का लक्ष्य हासिल करके पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी सफल लक्ष्य प्राप्ति का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले 2023 में दक्षिण अफ्रीका ने संयुक्तियां में वेस्टइंडीज के खिलाफ 259 रन का लक्ष्य हासिल किया था, जो इस प्रारूप में अब तक की सबसे बड़ी सफल लक्ष्य प्राप्ति है। रांची में मिली इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़े लक्ष्य का सफल पीछा करने का रिकॉर्ड भी बनाया। इसके अलावा, टी20 क्रिकेट में पहली बार वेस्टइंडीज ने 250 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया।

सबसे बड़े सफल लक्ष्य

259 रन – दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, सेंचुरियन, 2023
250 रन – वेस्टइंडीज बनाम भारत, रांची, 2026
244 रन – ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड, ऑकलैंड, 2018
एक मैच में बने 501 रन, गेंदबाजों की श्रम

चौकों-छक्कों की बरसात, मैदान पर दिखा बल्लेबाजों का कहर! मुकाबले में चौकों और छक्कों की जमकर बरसात हुई। दोनों टीमों की पारियों में कुल 79 चौके-छक्के लगे, जिनमें 46 चौके और 33 छक्के शामिल रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने 25 चौके और 13 छक्के लगाए, जबकि वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने 21 चौके और 20 छक्के जड़कर गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में इससे अधिक चौके-छक्के केवल दो मुकाबलों में लगे हैं। 2023 में संयुक्तियां में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच हुए मैच में 81 चौके-छक्के लगे थे।

शाई होप का 45 गेंदों में शतक, भारत के खिलाफ बनाया रिकॉर्ड

वेस्टइंडीज की जीत के सबसे बड़े नायक कप्तान शाई होप रहे। उन्होंने केवल 45 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 102 रन बनाकर नाबाद लौटे। उनकी पारी में नौ छक्के और छह चौके शामिल रहे। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका दूसरा शतक था। वेस्टइंडीज के लिए सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वालों में होप दूसरे स्थान पर पहुंच गए। इस सूची में जॉनसन वाल्स शीर्ष पर हैं, जिन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संयुक्तियां में केवल 39 गेंदों में शतक जड़ा था। होप ने भारत के खिलाफ सबसे तेज टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के मामले में इंग्लैंड के जैकब बेथेल की बराबरी भी की। बेथेल ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में 45 गेंदों में शतक लगाया था। शाई होप ने अपने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ वेस्टइंडीज के दिग्विजय बल्लेबाज क्रिस गेल और इविन लुइस की बराबरी कर ली। इन तीनों बल्लेबाजों के नाम इस प्रारूप में वेस्टइंडीज के लिए दो-दो शतक दर्ज हैं।

भारत से भिड़ंत से पहले न्यूजीलैंड को डबल झटका!

मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स टी20 सीरीज से बाहर, क्लार्कसन-ब्लेयर टिकनर को मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 22 अक्टूबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले मेजबान कीवी टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख खिलाड़ी मार्क चैपमैन और जैक फॉल्क्स चोटिल होने के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। दोनों खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से न्यूजीलैंड की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। उनकी जगह जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को टीम में शामिल किया गया है। मार्क चैपमैन को पिछले महीने यूरोपीय टी20 लीग में खेलते समय हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। उनकी फिटनेस में सुधार होने पर भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला तक वापसी की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, जैक फॉल्क्स को अभ्यास के दौरान दाहिने कूल्हे में चोट लगी। उनकी वापसी को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट समयसीमा सामने नहीं आई है।

दोनों खिलाड़ियों का बाहर होना न्यूजीलैंड के लिए चिंता का विषय है। चैपमैन अपने अनुभव और बल्लेबाजी क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जबकि फॉल्क्स की अनुपलब्धता से टीम के गेंदबाजी विकल्प प्रभावित हो सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच वॉल्टर ने दोनों उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि जोश क्लार्कसन और ब्लेयर टिकनर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी। दोनों नए खिलाड़ियों के पास इस श्रृंखला में अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका होगा। भारतीय टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण मुकाबलों में उनका प्रदर्शन न्यूजीलैंड की रणनीति के लिहाज से अहम हो सकता है।



पांच शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी20 मुकाबलों का कार्यक्रम इस प्रकार है
22 अक्टूबर: पहला टी20, क्राइस्टचर्च
24 अक्टूबर: दूसरा टी20, क्राइस्टचर्च
27 अक्टूबर: तीसरा टी20, वेलिंगटन
30 अक्टूबर: चौथा टी20, ऑकलैंड
1 नवंबर: पांचवां टी20, हैमिल्टन

ऐसी है न्यूजीलैंड की टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, डेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिलने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफोर्ड, नाथन रिमथ और ब्लेयर टिकनर।

पाक क्रिकेट में बड़ा उलटफेर! सलमान आगा की छुट्टी, साहिबजादा बने नए T-20 कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट टीम में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। सलमान आगा को ज़20 टीम की कप्तानी से हटाने के साथ टीम से भी बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह साहिबजादा फरहान को नया कप्तान बनाया गया है। ज़20 वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले फरहान 9 अक्टूबर से श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की ज़20 सीरीज में पहली बार घरेलू मैदान पर पाकिस्तान की अगुवाई करेंगे।

30 वर्षीय फरहान ने कप्तानी मिलने पर खुशी जताते हुए इसे अपने लिए सम्मान की बात बतायी। उन्होंने माना कि कप्तानी के साथ दबाव भी आता है, क्योंकि कप्तान को पूरी टीम का नेतृत्व करना होता है। घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव उनके लिए इस नई



जिम्मेदारी में मददगार साबित होगा। फरहान ने खुलासा किया कि उन्होंने खुद को कभी पाकिस्तान का कप्तान बनते हुए नहीं देखा था, लेकिन उनके पिता को इस बात की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि माता-पिता की दुआएं सच में रंग लाती हैं। फरहान पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद की नेतृत्व शैली से भी प्रभावित हैं और उनसे सीख लेने की बात कही।

श्रीलंका के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड

श्रीलंका के खिलाफ फरहान ने सात ज़20 इंटरनेशनल मैचों में 296 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.33 और स्ट्राइक रेट 154.16 रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। साल 2026 में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 12 पारियों में 459 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज में उनके पास शोएब मलिक का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका भी होगा। मलिक ने इस टीम के खिलाफ 397 ज़20 इंटरनेशनल रन बनाए हैं। फरहान को यह रिकॉर्ड पार करने के लिए तीन मैचों में 102 रन बनाने होंगे।

टॉस,ओस या खिलाड़ी... असल बॉस कौन?

होप का नाबाद शतकीय पारी और शेरफेन रदरफोर्ड के विस्फोटक अर्धशतक ने भारतीय क्रिकेट की उन कमजोरियों को फिर उजागर कर दिया, जिन पर अक्सर टॉस, ओस और परिस्थितियों की आड़ में पर्दा डाल दिया जाता है। रांची में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया ने 249 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, लेकिन इसके बावजूद वेस्टइंडीज ने छह विकेट से मुकाबला जीतकर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की कलाई खोल दी। कैरेबियाई बल्लेबाजों ने 250 रन के लक्ष्य को 1.3 ओवर शेष रहते हासिल कर लिया। यह केवल एक हार नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सामने खड़ा एक बड़ा सवाल भी है कि व्हाइट बॉल क्रिकेट में भारतीय सरजमीं के मैदानों पर आखिर असल बॉस कौन है, टॉस, ओस या खिलाड़ी?दरअसल यह कल के मुकाबले में हार के बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार की सबसे बड़ी वजह जब ओस का होना बताया तो फिर बड़ा सवाल तो यही बनता है कि अगर पेशे के खिलाड़ी अपने मैदानों पर ओस का प्रभाव को नियंत्रित करने में असमर्थ हैं, तो सवाल केवल ओस का नहीं, गेंदबाजी की योजना और



आलोक गोखामी खेल विश्लेषक

लाचार हो चुके हैं जो वह किसी भी लक्ष्य का बचाव करने में अब नाकाम रहते हैं रांची में टीम इंडिया की हार का विश्लेषण भी इसी कसौटी पर होना चाहिए। 249 रन का स्कोर किसी भी टी-20 मुकाबले में चुनौतीपूर्ण माना जाता है। ऐसे विशाल स्कोर के बावजूद यदि विपक्षी टीम लक्ष्य तक पहुंच जाती है, तो सवाल केवल ओस का नहीं, गेंदबाजी की योजना और

उसके क्रियान्वयन का भी है। शाई होप को पारी संभालने का अवसर देना और रदरफोर्ड जैसे आक्रमक बल्लेबाज को खुलकर खेलने देना भारतीय गेंदबाजों की रणनीति पर सवाल खड़े करता है। बड़े स्कोर के बाद भी यदि गेंदबाज मैच पर पकड़ नहीं बना पाते, तो बल्लेबाजों की मेहनत का लाभ अधूरा रह जाता है। भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए यह समय इस तरह के हालात पर विश्लेषण के साथ अपनी रणनीति की समीक्षा करने का भी है। क्या गेंदबाजों के पास ओस में प्रभावी प्रदर्शन करने की पर्याप्त योजनाएं हैं? क्या फील्डिंग में बदलाव और गेंदबाजी के विकल्प समय पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं?शिवम दुबे का बतौर गेंदबाज प्रयोग और उपयोग इसी बात का सबसे बड़ा सवाल है। ऐसे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला कई बार रणनीतिक बढ़त दिलाता है। ऐसे में यह बढ़त काफी हद तक जीत की गारंटी नहीं भी बन जाती है लेकिन फिर भी सवाल यह उठता है कि क्या गेंदबाज वाकई ओस के आगे

भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना 17 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारत में मोबाइल नेटवर्क ट्रैफिक 2025 से 2030 के बीच सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि दूरसंचार ऑपरेटर्स को राजस्व सालाना 2.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

केपीएमजी इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में दूरसंचार उपकरणों के आयात के स्थान पर उपकरणों का बाजार वित्त वर्ष 2025

के 25 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2032 तक लगभग 50 अरब डॉलर होने का अनुमान है। भारत में यह बाजार वैश्विक बाजार की तुलना में लगभग दोगुनी रफ्तार से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने विनिर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता विकसित की है। वित्त वर्ष 2026 में मोबाइल हैंडसेट का उत्पादन 6,270 अरब रुपये तक पहुंच गया, जबकि दूरसंचार उपकरणों के आयात के स्थान पर घरेलू उत्पादन की हिस्सेदारी लगभग

60 प्रतिशत हो गई है। यह देश की बढ़ती घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को दर्शाता है। केपीएमजी इंडिया में पार्टनर एवं क्लाईस्ट्स एंड मार्केट्स तथा टेक्नोलॉजी, मीडिया एंड टेलीकम्युनिकेशंस (टीएमटी) के राष्ट्रीय प्रमुख अंशिलेरा टुटोजा ने कहा, "दूरसंचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, क्लाउड और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का एकीकरण वैश्विक प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम में मुख्य सृजन के तरीके को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है।

शेयर बाजार की कमजोरी जनवरी-सितंबर में कंपनियों के बावजूद आईपीओ बाजार में रिकॉर्ड तेजी

ने जुटाए 12.5 अरब डॉलर

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों ने 2026 के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) के दौरान आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के जरिए रिकॉर्ड 12.5 अरब डॉलर जुटाए हैं। यह आंकड़ा 1980 से उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार जनवरी-सितंबर अवधि का अब तक का सबसे बड़ा फंड जुटाव है। एलएसईजी के विश्लेषण के अनुसार, यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल हुई है जब व्यापक शेयर बाजार दबाव में रहा और निफ्टी में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि आईपीओ की संख्या में कमी देखने को मिली। जनवरी-सितंबर 2026 के दौरान 220 आईपीओ आए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 268 आईपीओ की तुलना में लगभग 17.9 प्रतिशत कम हैं। इसके बावजूद कुल जुटाई गई राशि 11.3 प्रतिशत बढ़ी, जो यह दर्शाती है कि बड़े आकार के इश्यू बाजार में

आए। डेटा के अनुसार, औसत आईपीओ आकार बढ़कर करीब 5.7 करोड़ डॉलर हो गया, जबकि एक वर्ष पहले यह लगभग 4.2 करोड़ डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ बड़े आईपीओ ने कुल जुटाई गई राशि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुल आईपीओ फंड जुटाव का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कुछ चुनिंदा बड़े इश्यू से आया। सितंबर 2026 अकेले ही आईपीओ बाजार के लिए बेहद मजबूत महीना रहा। रिपोर्ट में कहा गया कि इस महीने 34 मेनबोर्ड आईपीओ के जरिए करीब 39,380 करोड़ रुपये जुटाए गए, जो वर्ष 2026 का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। हालांकि, जुटाई गई राशि का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से आया, जिसका अर्थ है कि धन का बड़ा हिस्सा मौजूदा शेयरधारकों को गया, न कि सीधे कंपनियों की बेलेंस शीट में।



मां को सहज महसूस कराने कोशिश करते थे संजय कपूर जूली की शूटिंग के दिनों को याद कर भावुक हुई नेहा

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने अपने करियर के शुरुआती दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'जूली' की शूटिंग के दौरान अभिनेता संजय कपूर ने न केवल अपने काम की जिम्मेदारियां निभाईं, बल्कि नेहा की मां का भी खास ध्यान रखा। अभिनेत्री ने बताया कि शूटिंग के दौरान उनकी मां अक्सर सेट पर आती थीं, लेकिन अपने कमरे से बाहर नहीं निकलती थीं। ऐसे में संजय कपूर उन्हें सहज महसूस कराने की कोशिश करते थे।

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के 'डबल डेट' में हाल ही में अभिनेता संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर पहुंचे थे। बातचीत के दौरान नेहा ने फिल्म 'जूली' की शूटिंग से जुड़ी यादें साझा कीं और संजय



कपूर के व्यवहार की तारीफ की। नेहा ने बताया कि उनकी मां शूटिंग सेट पर मौजूद रहती थीं, लेकिन वह कमरे से बाहर नहीं आती थीं। अभिनेत्री के मुताबिक, उनकी मां ऐसा इसलिए करती थीं, ताकि नेहा अपने काम पर पूरी तरह ध्यान दे सकें। उन्हें किसी के बुलाने या आर्मांत्रित करने की जरूरत नहीं थी।

नेहा ने संजय कपूर की तारीफ करते हुए कहा कि वह सेट पर निर्देशक और निर्माता के साथ काम संभालने के अलावा उनकी मां के पास भी जाते थे। वह उन्हें सहज महसूस कराने की कोशिश करते थे और सभी जिम्मेदारियों के बीच बेहतरीन तालमेल बिठाते थे। अभिनेत्री ने संजय कपूर के इस व्यवहार को याद करते हुए बताया कि उस दौर में उनका सहयोग काफी मायने रखता था। नेहा और संजय इससे पहले फिल्म 'क्यामत-सिटी अंडर थ्रेट' में भी साथ काम कर चुके हैं।

ऐसी थी फिल्म 'जूली' की कहानी

साल 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'जूली' का निर्देशन दीपक शिवदासानी ने किया था, जबकि एन. आर. पतिसिया इसके निर्माता थे। फिल्म में नेहा धूपिया के साथ संजय कपूर, प्रियांशु वर्तनी, यश टोंक और अचिंत कौर अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म की कहानी जूली और मिहिर नाम के एक प्रभावशाली कारोबारी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। मिहिर को जूली से प्यार हो जाता है, लेकिन उसके अतीत और पेशे के कारण उनके रिश्ते में कई मुश्किलें सामने आती हैं। मिहिर जब जूली के सामने शादी का प्रस्ताव रखता है, तो वह असमंजस में पड़ जाती है।

शाहरुख खान की वजह से टली नाना पाटेकर की आखिरी फिल्म! मेकर्स ने दिया बड़ा अपडेट

शालिनी का टीजर जारी किया गया था, तब फिल्म को क्रिसमस 2026 में रिलीज करने की घोषणा की गई थी। हालांकि, फिल्म के टलने की अटकलें कई महीनों से चल रही थीं, क्योंकि मेकर्स बॉक्स-ऑफिस पर शाहरुख खान की किंग के साथ मुकाबले से बचने के लिए नई तारीख पर विचार कर रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रोड्यूसर दिनेश विजान और डिस्ट्रिब्यूटर आदित्य सरोपोतदार ने अनीत पट्टा की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को 2027 की पहली तिमाही में रिलीज



करने का फैसला किया है। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म %मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स% में एक नए किरदार

को पेश करती है और इसे प्रोडक्शन हाउस की एक बड़ी फिल्म के तौर पर देखा जा रहा है। मेकर्स ने पहले क्रिसमस 2026 को रिलीज के लिए सही समय माना था, लेकिन वे सैयारा (2025) की सफलता के बाद पट्टा को एक सोलो थिएट्रिकल रिलीज भी देना चाहते थे। सूत्र ने कहा कि यह फैसला इस बात को ध्यान में रखकर लिया गया कि यह फिल्म फ्रैंचाइजी में पट्टा की जगह बनाए और उन्हें बिना किसी बड़ी प्रतिस्पर्धी फिल्म के रिलीज का मौका देने के लिए कितनी अहम है।

सैयारा फेम अनीत पट्टा की फिल्म शक्ति शालिनी, जो पहले क्रिसमस 2026 में रिलीज होने वाली थी, उससे अब 2027 की शुरुआत के लिए टाल दिया गया है। ऐसा शाहरुख खान की फिल्म किंग के साथ बॉक्स-ऑफिस पर टकराव से बचने के लिए किया गया है। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोड्यूसर दिनेश विजान और डिस्ट्रिब्यूटर आदित्य सरोपोतदार मैडॉक फिल्मस की इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को मार्च में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। सरोपोतदार के अनुसार, यह फिल्म दिग्विजय एक्टर नाना पाटेकर की आखिरी फिल्म होगी; उन्होंने मई 2026 में इसकी शूटिंग पूरी कर ली थी। जब अक्टूबर 2025 में शक्ति



खरगोन की भीकनगांव कृषि उपज मंडी में 1800 से अधिक वाहन पहुंचे

व्यवस्था हुई ठप

भीकनगांव (खरगोन)। कृषि उपज मंडी में किसानों की उपज लेकर पहुंचे वाहनों से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। लगातार दो दिन मंडी बंद रहने की सूचना के चलते मंडी में 1800 से अधिक बैलगाड़ियां व अन्य वाहन पहुंचे तो व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई। परिसर छोटा पड़ने से वाहनों की लंबी कतारें बाहर मुख्य सड़कों पर लग गईं। मंडी मार्ग, खंडवा-वडोदरा राष्ट्रीय राजमार्ग व झिरन्या मार्ग पर करीब दो घंटे तक वाहन रंगते रहे। इस दौरान मरीज को ले जा रही 108 एंबुलेंस भी जाम में एक घंटे तक फंसी रही। सायरन बजता रहा, लेकिन रास्ता नहीं मिला। अंततः स्थानीय लोगों के सहयोग से एंबुलेंस को निकाला जा सका। जाम का असर आसपास संचालित पांच बैंकों, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, मार्केटिंग सोसायटी, शासकीय अस्पताल व जीनिंग फैक्ट्रियों के आवागमन पर भी पड़ा। विद्यार्थियों, मरीजों, कर्मचारियों व आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यह कोई पहली बार पैदा हुई समस्या नहीं है। हर साल मंडी में उपज की भारी आवक होती है, वाहनों का दबाव बढ़ता है और सड़क पर जाम लगता है। इसके बावजूद अब तक स्थायी पार्किंग और प्रभावी यातायात प्रबंधन की व्यवस्था नहीं बन पाई।

न्यूज विंडो

ब्लैकमेलिंग में जेल गई नर्स ने डॉक्टर पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

बाड़मेर। बाड़मेर के निजी अस्पताल की एक नर्स ने जेल से बाहर आने के बाद अस्पताल के मालिक, डॉक्टर, मैनेजर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ दुष्कर्म और यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने गुरुवार शाम करीब 6 बजे महिला थाने में प्रारंभिकी दर्ज की। पुलिस अधीक्षक नितेश आर्य ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे। मामले की जांच महिला सेल की एएसपी कर रही हैं। पीड़िता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वह निजी अस्पताल में नर्सिंग का काम करती थी। आरोप है कि अस्पताल के मालिक और डॉक्टर ने डिलीवरी के दौरान चेंजिंग रूम में कपड़े बदलते समय सीक्रेट कैमरे से उसकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बना लिए। इसके बाद तस्वीरें और वीडियो साझा करने की धमकी देकर उस पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बनाया गया। नर्स के मुताबिक, जनवरी 2024 में नाइट ड्यूटी के दौरान उसे लेबर रूम से जबरन एक कमरे में ले जाया गया। वहां अश्लील वीडियो साझा करने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोप है कि

छग में अब 425 रु प्रति किंवटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी



रायपुर। छत्तीसगढ़ के शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति किंवटल की दर से होगी। प्रदेश की साय सरकार ने गन्ना किसानों के हित में यह बड़ा फैसला लिया है। इस संबंध में राज्य के मुखिया सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री साय से भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। सीएम साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया।

कैची धाम में तय होगी श्रद्धालुओं की संख्या, पंजीकरण की कवायद



देहरादून। बाबा नीब करौरी के कैची धाम में दर्शन के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने चारधाम यात्रा की तर्ज पर पंजीकरण कराने का निर्णय लिया है। कैची धाम की धारण क्षमता के आधार पर श्रद्धालुओं की संख्या तय की जाएगी। इसके लिए जिला प्रशासन व शासन के बीच जल्द ही बैठक के बाद संख्या निर्धारित की जाएगी। चारधाम की तरह कैची धाम में भी दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। दो अक्टूबर को परिवहन विभाग ने कैची धाम में एक ही दिन में 35 हजार वाहनों की संख्या दर्ज की। इससे भवाली-अल्मोडा मार्ग पर कैची धाम तक यातायात जाम लगने से परेशानी झेलनी पड़ती है। सिंगल लेन मार्ग होने के साथ ही कई स्थानों पर तीव्र मोड़ होने हर समय जाम की समस्या रहती है।

अमेरिकी सीनेटर ने फैसले को बताया शर्मनाक

ट्रंप का बड़ा यू-टर्न, रूस से डीजल खरीदने की डील

वॉशिंगटन। एजेंसी

रूस से डीजल खरीदने के समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमैथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जांच को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है। ब्लूमैथल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप से रूस के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने उन अमेरिकी तेल कंपनियों को भी चेतावनी दी, जो रूस के साथ इस समझौते के तहत कारोबार करने पर विचार कर रही हैं।



रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून से जुड़ा है विवाद

रिचर्ड ब्लूमैथल ने दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के साथ मिलकर रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित कानून तैयार किया था। इस कानून को अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में भारी बहुमत से मंजूरी मिली थी। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया था।

भारत और चीन को भी दी थी चेतावनी

इस विवाद के बीच ब्लूमैथल का पहले दिया गया बयान भी चर्चा में है। 16 सितंबर को अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंधों से संबंधित कानून पारित होने के बाद उन्होंने भारत और चीन को रूस से तेल एवं गैस खरीदने के मुद्दे पर चेतावनी दी थी। उन्होंने दोनों देशों से रूस के बजाय दूसरे स्रोतों से तेल और गैस खरीदने को कहा था।

ट्रंप-पुतिन बातचीत के बाद हुआ समझौता

रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत की और रूस से डीजल की आपूर्ति को लेकर समझौते की घोषणा की। इसका उद्देश्य बढ़ती ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में डीजल की उपलब्धता बढ़ाना बताया गया। हालांकि, इस फैसले पर ब्लूमैथल ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि रूस पर प्रतिबंधों में ढील देने से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिका की नीति कमजोर पड़ सकती है।

राजस्थान में इनकम टैक्स अधिकारी बन डकैती

भारत सरकार लिखी स्कॉर्पियो से आए फर्जी अधिकारियों ने तीन करोड़ लूटे

अजमेरा। एजेंसी

बॉलीवुड फिल्म 'स्पेशल 26' की तर्ज पर फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी बनकर डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले छह आरोपियों को अजमेर जिला पुलिस ने महज तीन घंटे में दस्तयाब कर लिया। आरोपियों ने नसीराबाद में एक व्यापारी के घर पर फर्जी इनकम टैक्स छपे का नाटक किया और करीब 3 करोड़ रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने नाकाबंदी, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ लिया।



पुलिस के अनुसार, आरोपी करीब एक महीने से इस वारदात की साजिश रच रहे थे। जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया कि 9 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11:30 बजे नसीराबाद के महेश विहार कॉलोनी, दिलवाड़ी बाईपास निवासी 29 वर्षीय व्यापारी कार्तिक माहेश्वरी के घर डकैती की वारदात हुई।

बेगूसराय में चार हथियार और 32 कारतूस बरामद

मुंगेर। बिहार के बेगूसराय में अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नगर थाना क्षेत्र के चित्रगुप्त नगर पोखरिया में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भूलन सिंह और शिवम कुमार के रूप में हुई है। दोनों के पिता-पुत्र होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने उनके घर से एक मस्कट, दो देसी कट्टे, एक देसी पिस्तौल, तीन मैगजीन और 32 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने सभी हथियारों और कारतूसों को जब्त कर लिया है। अब जांच की जा रही है कि हथियार कहां से लाए गए थे, उनका इस्तेमाल किस मकसद से किया जाना था और इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

कस्टम विभाग ने प्रोफाइलिंग से पकड़ा तस्कर

बैंकॉक से आ रहे यात्री के पास दिल्ली एयरपोर्ट पर 4.5 करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। एजेंसी

दिल्ली एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई की है। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया है। इसका अनुमानित बाजार मूल्य 4.5 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह जब्त 6 अक्टूबर 2026 को की गई थी। सीमा शुल्क अधिकारियों ने विशेष प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई की। उन्होंने एक भारतीय यात्री को रोका, जो संदिग्ध लग रहा था। यह यात्री बैंकॉक से उड़ान एआई-2335 से भारत पहुंचा था। वह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर उतरा था। अधिकारियों ने उसे ग्रीन

चैनल से मोड़कर विस्तृत जांच के लिए रोका। यात्री के पास एक थालू का चांदी जैसा ट्रॉली बैग था। बैग की गहन तलाशी लेने पर उसमें कुछ छिपा



हुआ मिला। कुल 13 पॉलिथीन के पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में गांजा या मारिजुआना होने का संदेह है। बरामद किए गए नशीले पदार्थ का शुद्ध वजन 12,859.5 ग्राम दर्ज किया गया है। यह मात्रा लगभग 12.8 किलोग्राम से अधिक है, जो काफी बड़ी खेप मानी जाती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस जब्त गांजे का अनुमानित मूल्य 4.5 करोड़ रुपये आंका गया है। इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ की तस्करी का यह एक गंभीर प्रयास था। सीमा शुल्क विभाग ने इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

महाराष्ट्र में मिड-डे मील योजना वित्तीय संकट में, चार महीने से फंड रुका

स्कूल शिक्षाक अपने खर्चे से बच्चों को खिला रहे हैं खाना

मुंबई। एजेंसी

महाराष्ट्र के सरकारी स्कूलों में चल रही मिड-डे मील योजना इस समय एक गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक संकट से गुजर रही है। राज्य के करीब 70% हिस्से में फैले भोण सूखे के बीच पिछले चार महीनों से इस योजना का फंड रुका हुआ है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों को बच्चों की भूख मिटाने और योजना को चालू रखने के लिए अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, केंद्रीय योजनाओं में डायरेक्ट कैश ट्रांसफर के लिए लाई गई नई व्यवस्था सिंगल नोडल एजेंसी (स्ह) 'स्पर्श' को अपनाने में देरी हुई। इसके अलावा केंद्र और राज्य के फंड को इस नए सॉफ्टवेयर में मिलाने में तकनीकी दिक्कतें आईं, जिसकी वजह से पिछले चार महीनों से बजट अटक गया है।



सूखे की मार और बच्चों की मजबूरी

एक तरफ सूखा होने के कारण ग्रामीण परिवारों की आय बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे गरीब घरों में बच्चों को पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में स्कूलों में मिलने वाला मिड-डे मील ही इन बच्चों के लिए पोषण का एकमात्र सहारा बचा है और ऐसे में फंड का रुक जाना बच्चों के लिए भारी संकट के तौर पर देखा जा रहा है।

जेब से पैसे लगा रहे शिक्षक

अच्छा, इन सभी चिजों के बीच एक बड़ी बात यह है कि मिड-डे मील के फंड रुकने के बाद स्कूल के शिक्षक, हेडमास्टर से लेकर रसोइए तक सभी लोग अपनी-अपनी जेब से पैसे देकर बच्चों के खाना का प्रबंध कर रहे हैं। पूरी बात को ऐसे समझिए कि बीड, वर्धा और अन्य जिलों के हेडमास्टरों का कहना है कि दाल और चावल जैसे खाद्यान्न तो मिल रहे हैं, लेकिन गैस, जलावन की लकड़ी और हरी सब्जियाँ जैसे अदरक, लहसुन, मिर्च आदि के लिए उन्हें अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं।

अल्प राशि और बढ़ता खर्च भी संकट

बता दें कि स्थिति अब ऐसी हो गई है कि प्राथमिक कक्षाओं 1 से 5 के लिए प्रति छात्र मात्र 2.59 रुपये और उच्च प्राथमिक 6 से 8 के लिए 3.71 रुपये प्रति छात्र प्रतिदिन दिए जाते हैं। ऐसे में शिक्षकों का सवाल है कि इस महंगाई में इतने कम पैसे से सखियां और ईंधन कैसे खरीदा जा सकता है? कई स्कूलों में महीनेभर के लिए मिलने वाला एकमात्र एलपीजी सिलेंडर जल्दी खत्म हो जाता है, जिसके बाद शिक्षकों को चूल्हे के लिए लकड़ी का इंतजाम करना पड़ता है। रसोइयों की भी दयनीय स्थिति दूसरी और योजना के तहत काम करने वाले करीब 1.58 लाख रसोइया पिछले चार महीनों से बिना वेतन के काम करने को मजबूर हैं। हाशिए के समुदायों से आने वाले इन कामगारों के पास आजीविका का कोई अन्य साधन न होने के कारण वे डरे-सहमे काम करने आ रहे हैं।